DEPARTMENT OF ECONOMICS

UNIVERSITY OF ALLAHABAD

2023-24

Lecture List

(व्याख्यान सूची)

B.A. -I

अर्थशास्त्र विभाग

इलाहाबाद विश्वविद्यालय

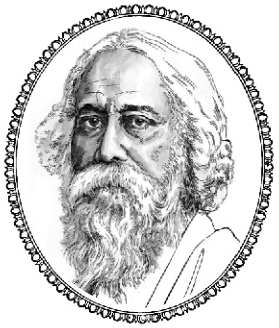

Heritage Building of the Department of Economics

The building of the Department of Economics carries a legacy of rich heritage. Since 1904 to 1922 it housed the famous Indian Press established by Chintamoni Ghosh known as Caxton of Hindi world. The Indian Press published rich prose and poems in Bangla, Hindi, English and Urdu language.

Between 1909 and 1914, Indian Press published 87 books by Gurudev Rabindrantath Tagore. In 1912 Tagore's immortal work 'Gitanjali' was printed in this Department which fetched him the grand Nobel Prize in Literature in 1913 and blazed him into world-wide glory.

In 1914 he visited the Indian Press for the second time. Rabindranath punctually reached the portals of the Indian Press at mid-day, and the poet, smiling as he was then, got down only to see the smiling Chintamoni Babu, waiting to receive him personally. What a majestic scene of cordial embrace the one did the other! The press-employees, who had been especially permitted that day to stand and wait outside to have a glimpse of the Poet, were all speechless at this spectacle. The poet said first, 'Chintamoni Babu! I have no words to thank you. Im am simply overwhelmed...." At once quipped Chinatamoni Babu, "I have a request! Let us have the privilege to hear in camera your song in your voice." To this the poet readily acceded and all went to the drawing-room of Chintamoni Babu where a piano was kept. The poet rendered the music on the instrument and tuned the first song of his Gitanjali in his melodious voice :

"Aamar matha nato korey daao hey
tomar charan dhular taley..."

प्रिय छात्रगण,

मुझे हर्ष है कि स्नातक पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आपने अर्थशास्त्र विषय को चुना है। यह कहना उपयुक्त होगा कि अर्थशास्त्र के सिद्धान्त व विश्लेषण के उपकरण अब अधिकाधिक रूप से अनेक सामाजिक-आर्थिक समस्याओं यथा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण आदि अध्ययन-क्षेत्रों में प्रयोग किये जा रहे हैं। इनमें से कुछ की झलक आपको बी0 ए0 पाठ्यक्रम में मिलेगी।

हम सबके लिये गौरव का विषय है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय का अर्थशास्त्र विभाग देश के सबसे पुरातन अर्थशास्त्र विभागों में से एक है जिसके आप एक अंग हैं। इसकी स्थापना 1914 में प्रो. एच. एस. जेवन्स ने वर्ष 1916 में इण्डियन जर्नल ऑफ इकॉनॉमिक्स की स्थापना की जो भारत का उच्च शैक्षणिक स्तर पर प्रथम जर्नल था तथा अब भी विभाग से प्रकाशित हो रहा है। जेवन्स ने ही कतिपय अन्य भारतीय अर्थशास्त्रियों के साथ मिलकर इण्डियन इकॉनॉमिक एसोसिएशन की स्थापना वर्ष 1917-18 में की। इस विभाग के बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध के अन्य शीर्षस्थ अर्थशास्त्री थे प्रो0 ए.आर. बर्नेट-हर्स्ट, प्रो. सी. डी. थॉमसन, प्रो0 एस0 के0 रूद्रा, प्रो0 बी0 पी0 अडारकर तथा प्रो0 जे0 के0 मेहता। उत्तरार्द्ध के प्रमुख अर्थशास्त्रियों में सर्वश्री प्रो0 पी0 सी0 जैन, महेश चन्द्र, आर0 एन0 भार्गव, आर0 बी0 बहादुर, आई0 जेड भट्टी, पी0 डी0 हजेला, एल0 एल0 परमार आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। अन्य प्रख्यात अर्थशास्त्री जो विभाग से सम्बद्ध रहे उनके नाम हैं प्रो0 एल0एल0 परमार, प्रो0 गौतम माथुर, प्रो0 डी0 एस0 कुशवाहा, प्रो0 वी0 के0 आनन्द, प्रो0 आर0 एन0 लोहकर, प्रो0 पी0 एन0 मेहरोत्रा, प्रो0 अलका अग्रवाल, प्रो0 एस0 एन0 लाल इत्यादि।

विभाग में कार्यरत रहते हुए प्रो0 एच0 एस0 जेवन्स, सी0 डी0 टॉम्सन, सुधीर कुमार रुद्रा और जे0 के0 मेहता इण्डियन एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। एसोसिएशन के अन्य अध्यक्षों में जो विभाग से भी संबंधित रहे, निम्नलिखित प्रमुख हैं - सर्वश्री एम0 बी0 माथुर, गौतम माथुर, पी0 डी0 अजेला, बारिद बी0 भट्टाचार्य प्रमुख हैं। विभाग में विद्यार्थी और अध्यापक रहे डॉ0 डी0 के0 श्रीवास्तव वित्त आयोग के सदस्य, मद्रास स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स के निदेशक तथा अर्न्स्ट एण्ड यंग के मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके हैं।

विभाग में 34 शिक्षक पद हैं तथा आचार्य का एक पद योजना आयोग द्वारा भी सृजित किया गया है। विगत वर्षों में विभाग के अनेक सदस्य संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, युनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड्स, बोट्स्वाना, रूस, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, नाइजीरिया, साउथ अफ्रीका, जापान, सिंगापुर, मलेशिया आदि देशों की यात्रा फेलोशिप प्रोग्राम तथा अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठियों में भाग लेने हेतु कर चुके हैं।

विभाग में पठन-पाठन का स्तर देश के चर्चित विश्वविद्यालयों के समकक्ष है तथा विषय के पाठ्यक्रम इस प्रकार से संगठित किये गये हैं कि अर्थशास्त्र विषय की प्रमुख धाराओं का ज्ञान छात्रों को सुव्यवस्थित रूप से उपलब्ध हो सके।

भारतवर्ष में अर्थशास्त्र की प्रथम शोध-पत्रिका "The Indian Journal of Economics", का प्रकाशन हमारे विभाग द्वारा 1916 से निरंतर किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित शोध-पत्रिका में देश-विदेश के अर्थशास्त्रियों के शोध-प्रपत्र प्रकाशित होते हैं तथा इसका प्रसार भारत के अतिरिक्त अन्य देशों में भी है।

विभाग का देश के विभिन्न प्रसिद्ध शिक्षण व शोध संस्थानों से अंतरंग एवं नेटवर्किंग पूर्व-स्थापित है, जिसे और अधिक गहन बनाने की सतत् प्रक्रिया जारी है। इनमें से कतिपय विशिष्ट संस्थानों का परिचय निम्नवत है—

(अ) नीति आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली :

योजना आयोग द्वारा सन् 1996 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग को देश के 12 उन शिक्षण केन्द्रों में से एक के रूप में चुना गया जहां योजना आयोग, भारत सरकार ने *'आयोजन एवं विकास इकाई'* स्थापित की है और इस इकाई की स्थापना हेतु कुल 30 लाख रुपये का अनुदान अवमुक्त किया गया। अब यह इकाई नीति आयोग के अन्तर्गत संचालित है। *प्रोफेसर जीन ड्रेज़* आयोजन एवं विकास इकाई के प्रथम चेयर प्रोफेसर रहे हैं। वर्तमान में प्रोफेसर मनमोहन कृष्ण आयोजन एवं विकास इकाई के चेयर प्रोफेसर हैं।

आयोजन एवं विकास इकाई द्वारा फरवरी 2022 में प्रोफेसर डी. के. श्रीवास्तव द्वारा लिखित एक मोनोग्राफ "On the Economic Ideas of Professor J. K. Mehta : A Journey into the Interior of the Self" प्रकाशित किया गया।

(ब) गोविन्द बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, झूँसी, प्रयागराज

विभाग के शोध छात्र-छात्रायें व शिक्षक इस संस्थान द्वारा आयोजित शैक्षणिक तथा शोध कार्यक्रमों में परस्पर सहयोग करते हैं।

रोजगार–उन्मुख कोर्स :

विदेशी व्यापार में एक वर्षीय परास्नातक डिप्लोमा कार्यक्रम :

सत्र 2002-03 से अर्थशास्त्र विभाग ने विदेशी व्यापार के बढ़ते हुए महत्व तथा इनके प्रशिक्षण के पश्चात् रोजगार प्राप्त करने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए एक वर्षीय स्ववित्त पोषित कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया था। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले अनेक सफल विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के पश्चात् निर्यात गृहों, औद्योगिक इकाईयों में उपयुक्त रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं तथा कई विद्यार्थियों ने अपनी निर्यात इकाईयां स्थापित करने में भी सफलता प्राप्त की हैं।

इस एक वर्षीय परास्नातक विदेशी व्यापार डिप्लोमा कार्यक्रम को दो वर्षीय एम.बी.ए. (अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय) के डिग्री कार्यक्रम में परिवर्तन करने हेतु प्रक्रिया जारी है।

सत्र 2015-16 से एम0ए0 पाठ्यक्रम में सेमेस्टर प्रणाली प्रारम्भ की गयी है।

शताब्दी वर्ष

जुलाई 2014 से जून 2015 की अवधि के मध्य अर्थशास्त्र विभाग द्वारा शताब्दी वर्ष मनाने का निर्णय लिया गया था। इस अवधि में अर्थशास्त्र विभाग के सभी परिषदों की गतिविधियाँ ''अर्थशास्त्र विभाग शताब्दी वर्ष समारोह'' की गतिविधियों के रूप में सम्पन्न हुईं। दिसम्बर 2015 में *समसामयिक वैश्विक आर्थिक मुद्दों (Contemporary Global Economic Issues)* पर एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था तथा फरवरी 2016 में *हरित भविष्य की ओर (Towards a Green Future)* पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। मार्च 2017 में *भारत में आर्थिक उदारीकरण के 25 वर्ष : आगे का मार्ग (Twenty Five Years of Economic Reforms in India : The Path Ahead)* विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। मार्च 2018 में *नगदी रहित अर्थव्यवस्था की दिशा में उत्कृष्ट पहल : मुद्दे और चुनौतियाँ (Cashless Economy and Financial Inclusion in India : Issues and Challenges)* विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इसी कड़ी में विभाग ने पुरा छात्र-छात्राओं हेतु **'अर्थशास्त्र विभाग पुरा छात्र परिषद्' (Alumini Association of Economics Department)** का गठन किया गया। इस परिषद के अंतर्गत भी हर वर्ष पुरा-छात्र सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। अर्थशास्त्र विभाग के पुरा-छात्र विभाग के अधोसंरचना के विकास के साथ-साथ वर्तमान छात्रों के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न पुरस्कार भी प्रदान करते हैं। इन पुरा-छात्रों में से ही एक डॉ0 सुधाकर पण्डा ने भारतीय रिजर्व बैंक के उप गवर्नर डॉ0 हारुन खान के सहयोग से विभाग के व्याख्यान कक्ष संख्या 7 को एक अत्याधुनिक सभागार कक्ष के रूप में विकसित करने के लिये 28 लाख रुपये की सहयोग राशि उपलब्ध करायी। जिसके सहयोग से 11 फरवरी, 2017 को इस नव-निर्मित सेमिनार कक्ष का उद्घाटन किया गया।

सभी पुरा-छात्र एवं छात्राओं से उम्मीद है कि वे अपने अध्ययन काल के दौरान जिस संस्था से जुड़े रहे हैं, उसकी प्रगति हेतु यथासंभव सहयोग करेगें।

मुझे आशा है कि अर्थशास्त्र विभाग से आपकी सम्बद्धता सुखद व फलदायक सिद्ध होगी और हम सब मिलकर एक उन्नत और समृद्ध भारत का निर्माण करेंगे।

प्रो0 किरन सिंह
अध्यक्ष
अर्थशास्त्र विभाग

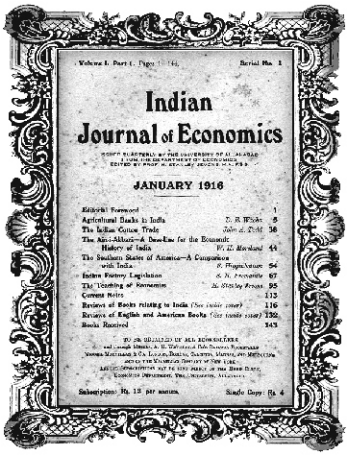

Indian
Journal of Economics

JANUARY 1916

The Indian Journal of Economics [IJE]

The Indian Journal of Economics was established by Prof. H. Stanley Jevons, First Head of the Department of Economics, University of Allahabad. The first Issue of the Journal appeared in January, 1916. This is the oldest surviving national Economics journal of the country and is being published on quarterly basis regularly since 1916.

The Journal is published with the three-fold object of providing a medium for the publication of articles on economic problems by authors of academic standing or authoritative positions, furnishing a convenient and compact vehicle for publication of original investigations and disseminating information about the economic activities of India and other countries. Its scope has been generally extended since then so as to cover every branch of economic science.

Since 1949 the Indian Journal of Economics disassociated itself with the Indian Economic Association but has continued with its uninterrupted publication till date, and has wide national and international circulations. During the past 100 years, the Journal has succeeded in developing many debates on various aspects of Economic Theory and Policy.

This Peer-reviewed Quarterly Journal has been listed in the UGC-Care List of Journals.

website : www.indianjournalofeconomics.com

Under the Centenary Year activities, in 2014 the Department of Economics had taken an environmental initiative **"Eco-Green"** with a tag line **Think Green-Act Green**. The Department of Economics is the first in the University to launch such an effort in order to make the environment more clean.

The objective is to educate and involve the students in environmental issues. In this context the department has decided to observe the environmental calendar to commemorate important days relating to different environmental aspects. Prof. Prahlad Kumar was the first Patron of Eco-Green. Prof. P. K. Ghosh was the first Convener of Eco-Green. Prof. Kiran Singh, HoD is the current Patron.

OBJECTIVES – THINK GREEN

1- Educating students and youngsters about environmental issues.

2- To enhance the level of environmental awareness.

3- To enhance the understanding of the relationship between human beings and the environment.

4- Think differently about our interactions with the environment.

5- Taking decisions that help the environment rather than harm it.

6- To develop capabilities /skills to improve and protect the environment.

7- To mobilise students' participation for preservation and conservation of environment.

8- Effective implementation of environment management and conservation programmes.

9- To develop the habit in the students how to help in the protection of the environment by their simple and easy daily routine acts in the institution and at home.

10- To observe the environment calendar.

11- Inculcating a sense of responsibility and a pro-active citizenship.

ENVIRONMENT CALENDAR

February 02	–	World Wetlands Day
March 20	–	World Sparrow Day
March 21	–	World Forestry Day
March 22	–	World Water Day
April 22	–	Earth Day
May 22	–	World Biodiversity Day
June 05	–	World Environment Day
June 08	–	World Oceans Day
July 11	–	World Population Day
July 29	–	International Tiger Day
September 16	–	World Ozone Day
October 14	–	International E-waste Day
October 24	–	Freshwater Dolphin Day
December 11	–	World Mountain Day

ACTIVITIES – ACT GREEN

On these days, one or more of the following items on the specific issue can be organised –

1- Hold a discussion.
2- Organise a debate.
3- Give a talk on the subject.
4- Organise a JAM (Just a minute) competition.
5- Arrange a film show.
6- Organise a poster/ painting competition.
7- Have a photograph competition.
8- Organise a quiz.
9- Arrange a wall display highlighting the occasion.
10- Enact a play highlighting the issue.
11- Read a poem or a quotation or both.
12- "Hands-on" learning programmes like tree plantation, clean your neighborhood drive, caring for an animal, etc.

Outreach Programme

To rollout an outreach programme designed to help and encourage marginalized and disadvantaged members of the local community of nearby areas within the district.

The activities will especially focus on rural poor in general and girls and women in particular to make them empowered and active agents of change in the society.

Proposed Outreach Activities :-

- Adoption of a village.
- Health, Hygiene and Sanitation : Awareness and participation.
- Field training and workshop on Environmental conservation and promotion practices.
- Digital literacy and training in Computer Application.
- Promotion & awareness of financial inclusion of women.
- To conduct Nature camp for the Children.

To encourage active involvement and participation of the students of Economics Department, University of Allahabad.

ECONOMISTS SPEAK

Webinars organized

The "Economists Speak", was launched by Prof. P. K. Ghosh, the then Head, Department of Economics, University of Allahabad, for promoting student engagement and learning Online during lockdown and beyond. It connects distinguished economists, academicians and eminent scholars for dissemination of knowledge and sharing of ideas on various dimensions of economics & economy.

In this "Economists Speak" series, the First web session was organised on 11 May, 2020. Prof. Sudhakar Panda, an alumnus of the Department of Economics, University of Allahabad and the present Vice-Chancellor of Birla Global University, Bhubaneswar, delivered his e-lecture on "Post Covid-19 Indian Economy : Challenges & Possibilities".

The Second web session of "Economists Speak" was organised on 22 June, 2020. Prof. Tahereh Alavi Hojjat, Chair & Professor of Economics DeSales University, Center Valley, Pennsylvania, United States delivered her e-lecturer on "Reopening the Economy : Challenges and Opportunities"

The Third web session of "Economists Speak" was organised on 30 July, 2020. Dr. Homagni Choudhury, Head of the Department of Economics at Kingston University in London delivered his e-lecturer on "A tale of two Indias : Are the best leaving behind the rest ?"

The Fourth web session of "Economists Speak" was organised on 27 February, 2021. Prof. P. K. Chaubey, Former Professor, IIPA New Delhi, IMS Lucknow & IGNOU, New Delhi delivered his e-lecturer on "India's Strategy for Fighting COVID-19 Recession".

The Fifth hybrid session of "Economists Speak" was organised on 27 October, 2021. Dr. Michael Debabrata Patra, Dupty Governor, Reserve Bank of India delivered his e-lecturer on "India's Economic Growth : Challenges Ahead".

A virtual discussion on "How to Publish Successfully ?" was jointly organized by the Bournemouth University, U.K. and the Department of Economics, University of Allahabad on 03 March 2022. The discussion

on the topic took place between Prof. Sangeeta Khorana of Bournemouth University and Prof. Justin Paul of University of Puerto Rico, USA.

The Fifth web session of "Economists Speak" was organised on 20 April, 2022. Dr. Hippu Salk Kristle Nathan of Institute of Rural Management (IRMA), Anand, Gujarat delivered his e-lecturer on "A New Approach to Assess Energy Poverty: An illustration from Urban Areas of Indian States".

The Sixth web session of "Economists Speak" was organised on 30 April, 2022. Prof. S. R. Keshava of Department of Economics, Bangalore University delivered his e-lecturer on "Russia-Ukraine War : Impact on Indian Economy".

To commemorate the World Environment Day, 2022 a web session was organized on 05 June 2022. Prof. Sudhakar Panda, Former Vice-Chancellor, Birla Global University, Bhubaneswar delivered a e-lecturer on "Environmental Protection for Sustainable Development".

A virtual session was specially organized for the Research Scholars of economics perusing the Pre-Ph.D. Course Work. Prof. Sangeeta Khorana of Bournemouth University, U.K. and Adjunct Faculty of Department of Economics, University of Allahabad delivered her e-lecture on "How to do Research ?" on 21 September 2022.

5-DAY ONLINE WORKSHOP

Under the aegis of the Planning and Development Unit of NITI Aayog, the Department of Economics organized a 5-Day Online Workshop on ***"Basic Econometrics: Tools and Techniques"*** from 27 to 31 January 2022. The workshop was organized for Post-graduate students and Ph.D. Scholars of economics and other allied subjects of various universities aimed at imparting a thorough understanding of basic econometric tools and techniques that are wieldy used in the field of empirical research and practice.

The distinguished resource persons for the workshop were drawn from different reputed institutions of India.

Prof. P. K. Ghosh was the Coordinator of the Workshop.

ALUMNI ASSOCIATION

With the purpose of connecting the former students of the department, the Alumni Association of the department of the Economics was established in the Centenary Year 2014. The Department has organized seven alumni meets so far in which various programmes were held. The Association confers three awards to deserving students and prestigious Prof. J. K. Mehta Award to the eminent alumnus. The Head of Department is ex-officio president of the association and Sri Sudhanshu Tiwari, Joint Commissioner, Industry, Prayagraj is its General Secretary at present. There are about 500 life members registered with the Alumni Association.

The Alumni Association organized a Webinar on "Future of Globalization in Post Covid Era" on 23rd May, 2020, in which Prof. Sangeeta Khorana of Bournemouth University, London, Dr. Vineet Srivastava, Director of Executive Assistant of Dy. Governor RBI and Mr. Dipak Kumar, IAS, Principal Secretary, Department of Environment, Forest & Climate Change, Bihar over the Panelists.

A virtual Panel Discussion on "POST COVID CARE" was organised by the Classic 86 batch under the aegis of Alumni Association on 22 May 2021. The Panellist included Dr. Rashmi Kant Mishra, Dr. Shishir Srivastava and Acharya Kaushal Kumar. Mr. Shishir Sandipan, Business Head Alliance Insurance Brockers was the moderator of the panel discussion.

The Alumini Award Function was organised on 17 November, 2021. Dr. Michael Debabrata Patra, Deputy Governor, Reserve Bank of India graced the function as Chief Guest and delivered a Special Lecture on "India's Economic Growth : Challenges Ahead".

On behalf of the Department, I welcome you and assure that your stay in the Department will be fruitful and opening new vistas of opportunities through proper guidance and counseling from your teachers. I believe that your relations with the Department of Economics will be rewarding and everlasting.

Prof. Kiran Singh
Head & Ex-officio President

J. K. Mehta Award for Excellence

Every Year in its Annual Meet the Association confers three award to deserving students and prestigious "J. K. Mehta Award for Excellence" to an eminent alumnus.

2016-17	**Prof. P. N. Mehrotra**
2017-18	**Prof. G. C. Tripathi**
2018-19	**Prof. D. K. Srivastava**
2019-20	**Prof. Sri Prakash**
2020-21	**Prof. Sudhakar Panda**

"Nobody is bothered about an institution more than its alumni"

– N. R. Narayana Murthy

Azadi ka Amrit Mahotasav

Painting Competition	:	Topic "Azadi ka Amrit Mahotasav"
Essay Competition	:	Topic "Doubling Farmers' Income"
Essay Competition	:	Topic "Role of Youth in Environmental Protection and Women Empowerment"
Quiz Competition	:	Topic "75 Years of Indian Economy"
Photo Competition	:	Topic "Ganga: Through My Lens"
Photo Competition	:	Topic "Poverty"
Cultural Presentation	:	Poem, Songs and Motivational Speeches
Special Patriotic Lectures	:	Topic "Know the Indian Armed Forces" (on *1971 War Victory,* स्वर्णिम विजय दिवस)
	:	Topic "Salute to Indian Armed Forces" (on कारगिल विजय दिवस)
Blood Donation Programme	:	75 units of Blood Donated by the students.
Plantation Programme	:	Plantation of Saplings.

REFRESHER COURSE IN ECONOMICS

Under aegis of UGC-Human Resource Development Centre, University of Allahabad an online Refresher Course In Economics was organized by the Department of Economics from 25 September to 08 October 2021. The theme of the Refresher Course was "***Post-Covid Indian Economy : The Path Ahead***".

Eminent academicians from India and abroad gave their presentations as distinguished resource persons of the refresher course.

The course was attended by 24 participants of universities and degree colleges of different parts of India.

Mr. Javed Akhtar was the Course Coordinator.

B.A. PART-I

REVISED SYLLABUS

(FROM 2015-16)

INSTRUCTIONS FOR ALL THE PAPERS

1. **Q. 1 will be compulsory and based on units I-IV. It will have two parts. Part A shall consist of six multiple choice type objective questions of one mark each. Part B shall consist of four short answer questions of 75-100 words of 3 marks each.**
2. **Q. 2 to Q. 5 will be long answer questions of 8 marks each.**
3. **Q. 2 will be from Unit I, Q. 3 will be from Unit II, Q. 4 will be from Unit III and Q. 5 will be from Unit IV.**

   Each Unit will have two questions with internal choice out of which only one question is to be answered.

Paper I

MICRO-ECONOMICS

UNIT-I

Nature of Micro Economics and its difference with Macro Economics, Law of Demand and Supply, Market Demand, A brief introduction of Elasticity of Demand.Theory of Consumer's Behaviour. Consumer's Equilibrium, Indifference Curve Analysis. Price Effect, Income Effect and Substitution Effect (Hicks & Slutsky Methods). An Elementary Treatment of Revealed Preference Theory, Consumer's Surplus.

UNIT-II

Production Function: An Elementary Treatment, Laws of Variable Proportions, Returns to Scale, Substitution in Production, Producer's Equilibrium, Elasticity of Substitution. Cost Function, Different concepts of costs: Nominal, Real and Opportunity cost, Cost Curves.

UNIT-III

Nature of Market, Revenue Function, Revenue Curves, Price Determination under Perfect Competition, Monopoly, Discriminating Monopoly, Imperfect and Monopolistic Competition-Elementary Treatment.

UNIT-IV

Marginal Productivity Theory of Distribution, Rent: Ricardian & Opportunity Cost Theories, Quasi Rent. Wage: Labour Supply and Demand Theory of Wages, The Marginal Productivity Theory, Interest: The Classical and Loanable Funds Theory, Profit: Schumpeter, Knight and J.K. Mehta.

Paper II
INDIAN ECONOMY: NATURE AND PROBLEMS

UNIT-I

Nature and Symptoms of Under-development, Indices of Development such as HDI, etc. Main Features of Indian Economy, The Energy and Power Sector in India and its Challenges, India's Foreign Trade: Composition and Direction, Service sector in India and its Performance.

UNIT-II

The Agricultural Sector, Salient Feautres of Indian Agriculture. Changing Agrarian Structure. Mechanisation of Agriculture, Rural Credit Structure in India, Role of Commercial Banks, Regional Rural Banks, Cooperative Banks, Land Development Banks, Primary Agricultural credit Societies, NABARD in Rural Credit, Rural Un-empoloyment in India.

UNIT-III

Industrial Sector, Objectives of Industrial Development, Categorisation of Industries, Growth and Expansion of Public Sector Enterprises, Development and Expansion of Private Industry, Role and Importance of Cottage and Small Scale Industry. Problems of Industrial Labour in India.

UNIT-IV

Economy of Uttar Pradesh: Salient features. Demographic features of India's Population, Demographic features of Uttar Pradesh. Agriculture in Uttar Pradesh: Nature and Problems. Industrial Development in Uttar Pradesh: Nature and Problems, Challenges and Prospects of Exports from Uttar Pradesh.

Paper III
TECHNIQUES OF ECONOMIC ANALYSIS

UNIT-I

Approach to Economic Analysis: Micro-Economics and Macro-Economics, Illustrations of Micro and Macro Problems. Nature of Static and Dynamic analysis. Equilibrium Concepts and Types. Functional Relationships in Economics: Demand, Supply, Cost, Revenue, Savings, Income and Investment etc., Illustration from Micro and Macro Economics, Equations: Solution of Simultaneous Linear and Quadratic Equations, Analysis of Market Equilibrium Algebric and Graphical Solutions. Curves and straight Lines, Rate of change and slope –Economics illustrations, use of Linear and Non- linear functions in economics – market demand, cost and revenue curves etc. nature of parabolic curves. Cost and Revenue curves and related Economics Illustrations

UNIT-II

Rates of Growth: Simple, Compound, proportional, logarithmic and Exponential Elementary idea and interpretion of first and second order derivatives, Maxima and minima (elementary Treatment) Economic Applications of derivatives, marginal revenue Marginal Cost, Elasticity of Demand, Elasticity of Supply, Marginal Propensity to Consume (mpc), Marginal Propensity to save (mps), Capital–output Ratio, Profit maximization and Cost minimization.

Use of Mathematical Tools in Economics Analysis.

UNIT-III

Statistics: Nature, functions, importance; collection of data classification and tabulation; Diagrammatic and graphical representation of data: Bar, Pie, Histogram, Ogive etc.Measures of central tendency. Arithmetic Mean, Weighted Mean, Harmonic Mean Geometric Mean, Median, Mode etc., their relative Merits.

C.S.O. and N.S.S.O. Functions, Organisation Working etc.

Unit-IV

Measures of Dispersion-Range, Quartile/Percentile Deviation, Mean Deviation, Standard Deviation, Coeeficient of Variation, Lorenz Curve, Measures of skewness and Kurtosis.

Correlation: Linear Rank, Index Numbers: Nature, Construction, Limitation, Importance, Construction of Index Numbers: Simple, Weighted and Price Relative Methods.

बी0 ए0- प्रथम वर्ष
संशोधित व्याख्यान क्रम
(2015-16 से)

* प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा तथा इकाई 1 से 4 पर आधारित होगा।
* इसके दो भाग होंगे।
* भाग **A** में एक-एक अंक के छह बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
* भाग **B** में तीन-तीन अंक के चार 75-100 शब्दों वाले लघु उत्तरीय प्रश्न/चित्र होंगे।
* प्रश्न संख्या 2 से 5 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा।

  प्रश्न संख्या 2 इकाई 1 से, प्रश्न संख्या 3 इकाई 2 से, प्रश्न संख्या 4 इकाई 3 से तथा प्रश्न संख्या 5 इकाई 4 से होगा। प्रत्येक इकाई में आंतरिक चयन के रूप में दो प्रश्न होंगे, जिनमें से कोई एक प्रश्न करना होगा।

प्रथम प्रश्न पत्र
व्यष्टि अर्थशास्त्र

इकाई- 1

* व्यष्टि अर्थशास्त्र की प्रकृति तथा समष्टि अर्थशास्त्र से इसका भेद
* मांग तथा पूर्ति का नियम
* बाजार मांग
* मांग की लोच का एक संक्षिप्त परिचय
* उपभोक्ता व्यवहार का सिद्धान्त
* उपभोक्ता का संतुलन
* अनधिमान वक्र विश्लेषण : कीमत प्रभाव, आय प्रभाव तथा प्रतिस्थापन प्रभाव (हिक्स तथा स्लट्स्की विधियां)
* प्रकटित (व्यक्त) अधिमान सिद्धान्त का एक प्रारम्भिक अवलोकन
* उपभोक्ता का अतिरेक

इकाई- 2

* उत्पादन फलन : एक प्रारंभिक अवलोकन
* परिवर्तनीय अनुपातों का नियम
* पैमाने के प्रतिफल
* उत्पादन में प्रतिस्थापन
* उत्पादक का संतुलन
* प्रतिस्थापन की लोच
* लागत फलन
* लागत की विभिन्न संकल्पानाएं : मौद्रिक लागत, वास्तविक लागत तथा अवसर लागत
* लागत वक्र

इकाई-3

* बाजार का प्रकृति
* आय फलन
* आय वक्र
* पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत कीमत-निर्धारण
* एकाधिकार
* विभेदात्मक एकाधिकार
* अपूर्ण एवं एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता : एक प्रारम्भिक अवलोकन

इकाई-4

* वितरण का सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त
* लगान : रिकार्डो तथा अवसर लागत सिद्धान्त, आभास लगान
* आभास लगान
* मजदूरी : श्रम मांग एवं पूर्ति सिद्धान्त, सीमांत उत्पादकता सिद्धान्त
* ब्याज : प्रतिष्ठित एवं ऋण योग्य कोष सिद्धान्त
* लाभ : शुम्पीटर, नाइट तथा प्रो0 जे0 के0 मेहता

द्वितीय प्रश्न पत्र

भारतीय अर्थव्यवस्था : प्रकृति एवं समस्याएं

इकाई- 1

* अल्पविकास की प्रकृति एवं लक्षण
* विकास के सूचक जैसे, मानव विकास सूचकांक आदि
* भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रमुख विशेषतायें
* भारत में ऊर्जा एवं शक्ति क्षेत्र तथा इनकी चुनौतियां
* भारत का विदेशी व्यापार - स्वरूप एवं दिशाएं
* भारत में सेवा क्षेत्र तथा इसका प्रदर्शन**इकाई- 2**
* कृषि क्षेत्र
* भारतीय कृषि की प्रमुख विशेषतायें
* कृषि संरचना का बदलता स्वरूप
* कृषि का यंत्रीकरण
* भारत में ग्रामीण साख संरचना
* ग्रामीण साख में वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, सहकारी बैंकों, भूमि विकास बैंकों, प्राथमिक कृषि साथ समितियों तथा नाबार्ड की भूमिका
* भारत में ग्रामीण बेरोजगारी

इकाई- 2

* कृषि क्षेत्र
* भारतीय कृषि की प्रमुख विशेषतायें
* कृषि संरचना का बदलता स्वरूप
* कृषि का यंत्रीकरण
* भारत में ग्रामीण साख संरचना
* ग्रामीण साख में वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, सहकारी बैंकों, भूमि विकास बैंकों, प्राथमिक कृषि साथ समितियों तथा नाबार्ड की भूमिका
* भारत में ग्रामीण बेरोजगारी

इकाई- 3

* औद्योगिक क्षेत्र
* औद्योगिक विकास के उद्देश्य
* उद्योगों का वर्गीकरण
* सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की संवृद्धि एवं विस्तार
* निजी उद्योगों का विकास एवं विस्तार
* कुटीर एवं लघु उद्योगों की भूमिका एवं महत्व
* भारत में औद्योगिक श्रम की समस्यायें

इकाई- 4

* उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था - प्रमुख विशेषताएं
* भारत की जनसंख्या की जनांकिकीय विशेषताएं
* उत्तर प्रदेश की जनसंख्या की जनांकिकीय विशेषताएं
* उत्तर प्रदेश में कृषि - प्रकृति एवं समस्याएं
* उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास - प्रकृति एवं समस्याएं
* उत्तर प्रदेश से निर्यातों की चुनौतियां एवं संभावनाएं

तृतीय प्रश्न पत्र
आर्थिक विश्लेषण की तकनीकें

इकाई- 1

* आर्थिक विश्लेषण के उपागम - व्यष्टि अर्थशास्त्र एवं समष्टि अर्थशास्त्र, व्यष्टि व समष्टि समस्याओं का आरेखन
* स्थैतिक एवं प्रावैगिक विश्लेषण की प्रकृति
* संतुलन - संकल्पनायें एवं प्रकार
* अर्थशास्त्र में फलनात्मक संबंध - मांग, पूर्ति, लागत, आगम, बचत, आय तथा निवेश आदि
* व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र से चित्रण - रेखीय युगपत् एवं द्विघातीय समीकरणों का समाधान
* बाजार संतुलन का विश्लेषण - अंकगणितीय एवं आरेखीय समाधान
* वक्र एवं सरल रेखाएं, परिवर्तन दी दर एवं ढाल - अर्थशास्त्र से चित्रण
* अर्थशास्त्र में रेखीय तथा अरेखीय फलनों का उपयोग - बाजार मांग, लागत तथा राजस्व वक्र आदि
* परवलीय वक्रों की प्रकृति
* लागत एवं आय वक्र और संबंधित अर्थशास्त्रीय आरेखन

इकाई- 2

* संवृद्धि की दरें - सामान्य, चक्रवृद्धि, आनुपातिक, लघुगणकीय एवं चरघातीय
* प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के व्युत्पन्नों का प्रारम्भिक अवलोकन
* अधिकतम एवं न्यूनतम - प्रारम्भिक अवलोकन
* व्युत्पन्नों का आर्थिक उपयोग - सीमान्त आय, सीमान्त लागत, मांग की लोच, पूर्ति की लोच, उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति, पूँजी-उत्पादन अनुपात, लाभ अधिकतमीकरण एवं लागत न्यूनीकरण
* आर्थिक विश्लेषण में गणितीय उपकरणों का उपयोग

इकाई- 3

* सांख्यिकी - प्रकृति, कार्य, महत्त्व
* आंकड़ों का संग्रह, वर्गीकरण एवं सारणीकरण
* आंकड़ों का चित्रीय एवं आरेखीय निरूपण - दण्ड चित्र, वृत्त चित्र, आयत चित्र, तोरण चित्र आदि
* केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप - अंकगणितीय माध्य, भारित माध्य, हरात्मक माध्य, ज्यामितीय माध्य, माध्यिका, बहुलक आदि; इसके तुलनात्मक गुण
* केन्द्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (C.S.O.) एवं राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (N.S.S.O.) : कार्य, स्वरूप, क्रियाकलाप आदि

इकाई- 4

* विचलन के माप - परास, चतुर्थांश विचलन, शतांश विचलन, माध्य विचलन, मानक विचलन, विचलन गुणांक, लॉरेन्ज वक्र, विषमता एवं कुकुदता की माप
* सहसंबंध : रेखीय, रैंक
* सूचकांक : प्रकृति, निर्माण, सीमायें, महत्त्व
* सूचकांकों का निर्माण : सामान्य, भारित एवं कीमत सापेक्ष विधियाँ

DEDICATION

* * *

It is heartening to inform that the Department of Economics, in its Centenary Year named Departmental Library, Conference Hall and Computer Laboratory in memory of former teachers, in recognition of their contributions in the respective fields. **Prof. P.C. Jain Library** was inaugurated by *Mr. H. R. Khan, Deputy Governor, Reserve Bank of India, Mumbai*; **Prof. S. K. Rudra Conference Hall** by *Prof. P. K. Bhargava, Formerly Emeritus Professor, Department of Economics, Banaras Hindu University, Varanasi;* and **Prof. Mahesh Chand Computer Laboratory** by *Prof. Shri Prakash, Dean, Research, BIMTECH, Greater Noida and formerly Senior Fellow, NUEPA, New Delhi* on December 13, 2014.

Student Activities and Counselling

The Department has a very old democratic tradition of student-teacher interaction through various associations such as Economics Research Association (ERA) (1970), Economic Conversazione for M.A. Final students (1935), Busy Bees for M.A. Previous students (1934), Under Graduate Economics Association for **B.A. Part III [अर्थ चिन्तन], B.A. II [अर्थ विमर्श]** and **B.A. I [अर्थ संवाद]** students.

Each association has an executive body which includes elected student-members to manage the activities of the Associations along with the teachers of the Department who act as President and Treasurer. Each student is provided with a well-planned course description relevant for him/her in the session. These associations also play an important role for career guidance/ counseling of the students.

The activities of Economics Research Association (ERA) include Pre-Doctoral seminars, Doctoral presentations, paper reading, lectures, web-sessions, symposiums etc. for the research scholars.

The Undergraduate and Postgraduate Associations also organize symposiums and competitions like quiz, debate, essay competition, painting competition and other academic activities. In the joint annual function of Undergraduate Associations the prize winners are awarded certificates and prizes.

The joint annual function of postgraduate students of economics is one of the important social events of the Department and the University.

Under-Graduate Economics Association (B.A.-I)
(अर्थ संवाद)

Patron	:	Prof. Kiran Singh (Head)
President	:	Dr. Pradeep Kumar Singh
Treasurer	:	Dr. Pooja Srivastava

UNDERGRADUATE ECONOMICS ASSOCIATION

B.A. I, II & III

ANNUAL Competitions (2022-23)

The Prize Winners

B.A.-I

✶ Essay Competition

First	Priyanka Yadav
Second	Priyanka Kushwaha
Third	Aman Maurya
Consolation	Nishit Pandey

✶ Painting/Poster Competition

First	Priyanka Yadav
Second	Pratishta Senger
Third	Chanda Kumari
Consolation	Kundan Kumar
Consolation	Kushagra Singh

Class Representative

Tulika Singh, Anchal Bharti, Mayank Mishra, Abhijeet Pandey, Nandini Prabha, Kusum Lata Devi, Divyanshi, Rishu Upadhyay, Ayush Kumar, Riya Jaiswal, Anmol Narayan, Harshit Dwivedi, Ashwani Kumar Patel, Sunny Shaw

B.A.-II

✶ Essay Competition

First	Ayush Dutt Verma
Second	Suhani Singh
Third	Kumar Tejaswi
Consolation	Pankaj Kumar
Consolation	Anshu Shukla
Consolation	Shivani Yadav
Consolation	Nidhi Chauhan

✶ Painting/Poster Competition

First	Varsha Rani
Second	Anvita Singh
Third	Achyuta Nanadan Sahu
Consolation	Priti Kushwaha
Consolation	Archana Kumari

Class Representative

Arpit Patel, Ayush Singh, Anshuman Pandey, Anshu Shukla, Vipin Tiwari, Dinesh Chauhan, Beauty Yadav, Nandini Sahu, Nidihi Patel, Anupam Chaudhary, Kajal Singh, Tannu Singh

B.A.-III

✶ Essay Competition

First	Astha
Second	Sachin Yadav
Third	Shraddha Yadav
Consolation	Vivek Verma
Consolation	Sachin Kumar

✶ Painting/Poster Competition

First	Gadadhar Verma
Second	Nimita Goswami
Third	Uttam Srivastava

Class Representative

Eesha Shukla, Nimita Goswami, Kajal, Nisha, Akash Jaiswal, Siddharth Singh, Himanshu, Ravi Shankar,

Department of Economics
Faculty Members

1.	Akhtar, Javed	Asso. Professor	M.A.	Rural Development, Agriculture Economics
2.	Chaturvedi, B. K.	Asso. Professor	M.A., Ph.D.	Development Economics, Microeconomics
3.	Gupta, Rekha	Asst. Professor	M.A., Ph.D.	Development & Planning, Environmental Economics
4.	Jain, Swati	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Macro Economics, Public Finance
5.	Karimullah	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Financial Economics, Monetary Economics, Econometrics
6.	Kumar, Anup	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	International Economics, Economic Theories and Policy
7.	Maurya, Garima	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Development Economics, Econometrics
8.	Pandey, Aditi	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Financial Markets
9.	Pandey, Sumedha	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Public Economics
10.	Sahoo, Manoranjan	Asst. Professor	M.A., Ph.D.	Macroeconomics
11.	Satyakam, Shreedhar	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Econometrics, Macroeconomics, Environmental Economics
12.	Singh, Kiran	Professor & Head	M.A., D.Phil.	Agricultural Economics, Industrial Economics
13.	Singh, Pradeep K.	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	International Economics, India's Economic Policy, Globalization Studies
14.	Sonkar, Deepshikha	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Demography, Public Enterprises, Indian Economic Policy
15.	Srivastava, Pooja	Asst. Professor	M.A., Ph.D.	Econometrics, Mathematical Economics, Indian Economic Policy
16.	Uraon, Dharmnath	Asst. Professor	M.A., Ph.D.	Mathematical Economics, Mathematical Statistics & Banking Theory

NITI Aayog Chair Professor

- Prof. Jean Dreze 2009 2015
- Prof. Manmohan Krishana 2022 - till date

DEPARTMENT OF ECONOMICS

Heads of the Department

S.N.	NAME	Year From	To
1.	Prof. H. S. Jevons	1914	1923
2.	Prof. A. R. Burnett-Hurst	1923	1927
3.	Prof. C. D. Thompson	1927	1935
4.	Prof. S. K. Rudra	1936	1951
5.	Prof. N. S. Subba Rao (In leave vacancy)	1942	1943
6.	Prof. J. K. Mehta	1951	1963
7.	Prof. P. C. Jain	1964	1977
8.	Prof. S. L. Parmar	1978	1979
9.	Prof. Mahesh Chand	1979	1981
10.	Prof. D. S. Kushwaha	1982	1989
11.	Prof. V. K. Anand	1990	1997
12.	Prof. P. N. Mehrotra	1997	2008
13.	Prof. Alka Agarwal	2008	2010
14.	Prof. U. S. Rai	2010	2012
15.	Prof. Jagdish Narayan	2012	2014
16.	Prof. Prahlad Kumar	2014	2016
17.	Prof. Manmohan Krishna	2016	2018
18.	Prof. G. C. Tripathi	2018	2020
19.	Prof. P. K. Ghosh	2020	2022
20	Prof. Kiran Singh	2022	till date

AMRIT KAAL

From 75 years to 100 years
of
India's Independence

वसुधैव कुटुम्बकम्

ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

DEPARTMENT OF ECONOMICS

UNIVERSITY OF ALLAHABAD

2023-24

Lecture List

(व्याख्यान सूची)

B.A. -II

अर्थशास्त्र विभाग

इलाहाबाद विश्वविद्यालय

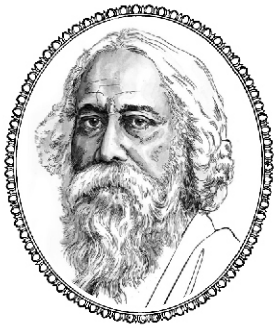

Heritage Building of the Department of Economics

The building of the Department of Economics carries a legacy of rich heritage. Since 1904 to 1922 it housed the famous Indian Press established by Chintamoni Ghosh known as Caxton of Hindi world. The Indian Press published rich prose and poems in Bangla, Hindi, English and Urdu language.

Between 1909 and 1914, Indian Press published 87 books by Gurudev Rabindrantath Tagore. In 1912 Tagore's immortal work 'Gitanjali' was printed in this Department which fetched him the grand Nobel Prize in Literature in 1913 and blazed him into world-wide glory.

In 1914 he visited the Indian Press for the second time. Rabindranath punctually reached the portals of the Indian Press at mid-day, and the poet, smiling as he was then, got down only to see the smiling Chintamoni Babu, waiting to receive him personally. What a majestic scene of cordial embrace the one did the other! The press-employees, who had been especially permitted that day to stand and wait outside to have a glimpse of the Poet, were all speechless at this spectacle. The poet said first, 'Chintamoni Babu! I have no words to thank you. Im am simply overwhelmed...." At once quipped Chinatamoni Babu, "I have a request! Let us have the privilege to hear in camera your song in your voice." To this the poet readily acceded and all went to the drawing-room of Chintamoni Babu where a piano was kept. The poet rendered the music on the instrument and tuned the first song of his Gitanjali in his melodious voice :

"Aamar matha nato korey daao hey
tomar charan dhular taley..."

प्रिय छात्रगण,

मुझे हर्ष है कि स्नातक पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आपने अर्थशास्त्र विषय को चुना है। यह कहना उपयुक्त होगा कि अर्थशास्त्र के सिद्धान्त व विश्लेषण के उपकरण अब अधिकाधिक रूप से अनेक सामाजिक-आर्थिक समस्याओं यथा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण आदि अध्ययन-क्षेत्रों में प्रयोग किये जा रहे हैं। इनमें से कुछ की झलक आपको बी0 ए0 पाठ्यक्रम में मिलेगी।

हम सबके लिये गौरव का विषय है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय का अर्थशास्त्र विभाग देश के सबसे पुरातन अर्थशास्त्र विभागों में से एक है जिसके आप एक अंग हैं। इसकी स्थापना 1914 में प्रो. एच. एस. जेवन्स ने वर्ष 1916 में इण्डियन जर्नल ऑफ इकॉनॉमिक्स की स्थापना की जो भारत का उच्च शैक्षणिक स्तर पर प्रथम जर्नल था तथा अब भी विभाग से प्रकाशित हो रहा है। जेवन्स ने ही कतिपय अन्य भारतीय अर्थशास्त्रियों के साथ मिलकर इण्डियन इकॉनॉमिक एसोसिएशन की स्थापना वर्ष 1917-18 में की। इस विभाग के बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध के अन्य शीर्षस्थ अर्थशास्त्री थे प्रो0 ए.आर. बर्नेट-हर्स्ट, प्रो. सी. डी. थॉमसन, प्रो0 एस0 के0 रूद्रा, प्रो0 बी0 पी0 अडारकर तथा प्रो0 जे0 के0 मेहता। उत्तरार्द्ध के प्रमुख अर्थशास्त्रियों में सर्वश्री प्रो0 पी0 सी0 जैन, महेश चन्द्र, आर0 एन0 भार्गव, आर0 बी0 बहादुर, आई0 जेड भट्टी, पी0 डी0 हजेला, एल0 एल0 परमार आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। अन्य प्रख्यात अर्थशास्त्री जो विभाग से सम्बद्ध रहे उनके नाम हैं प्रो0 एल0एल0 परमार, प्रो0 गौतम माथुर, प्रो0 डी0 एस0 कुशवाहा, प्रो0 वी0 के0 आनन्द, प्रो0 आर0 एन0 लोहकर, प्रो0 पी0 एन0 मेहरोत्रा, प्रो0 अलका अग्रवाल, प्रो0 एस0 एन0 लाल इत्यादि।

विभाग में कार्यरत रहते हुए प्रो0 एच0 एस0 जेवन्स, सी0 डी0 टॉम्सन, सुधीर कुमार रुद्रा और जे0 के0 मेहता इण्डियन एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। एसोसिएशन के अन्य अध्यक्षों में जो विभाग से भी संबंधित रहे, निम्नलिखित प्रमुख हैं - सर्वश्री एम0 बी0 माथुर, गौतम माथुर, पी0 डी0 अजेला, बारिद बी0 भट्टाचार्य प्रमुख हैं। विभाग में विद्यार्थी और अध्यापक रहे डॉ0 डी0 के0 श्रीवास्तव वित्त आयोग के सदस्य, मद्रास स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स के निदेशक तथा अर्न्स्ट एण्ड यंग के मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके हैं।

विभाग में 34 शिक्षक पद हैं तथा आचार्य का एक पद योजना आयोग द्वारा भी सृजित किया गया है। विगत वर्षों में विभाग के अनेक सदस्य संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, युनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड्स, बोट्स्वाना, रूस, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, नाइजीरिया, साउथ अफ्रीका, जापान, सिंगापुर, मलेशिया आदि देशों की यात्रा फेलोशिप प्रोग्राम तथा अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठियों में भाग लेने हेतु कर चुके हैं।

विभाग में पठन-पाठन का स्तर देश के चर्चित विश्वविद्यालयों के समकक्ष है तथा विषय के पाठ्यक्रम इस प्रकार से संगठित किये गये हैं कि अर्थशास्त्र विषय की प्रमुख धाराओं का ज्ञान छात्रों को सुव्यवस्थित रूप से उपलब्ध हो सके।

भारतवर्ष में अर्थशास्त्र की प्रथम शोध-पत्रिका "The Indian Journal of Economics", का प्रकाशन हमारे विभाग द्वारा 1916 से निरंतर किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित शोध-पत्रिका में देश-विदेश के अर्थशास्त्रियों के शोध-प्रपत्र प्रकाशित होते हैं तथा इसका प्रसार भारत के अतिरिक्त अन्य देशों में भी है।

विभाग का देश के विभिन्न प्रसिद्ध शिक्षण व शोध संस्थानों से अंतरंग एवं नेटवर्किंग पूर्व-स्थापित है, जिसे और अधिक गहन बनाने की सतत् प्रक्रिया जारी है। इनमें से कतिपय विशिष्ट संस्थानों का परिचय निम्नवत है—

(अ) नीति आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली :

योजना आयोग द्वारा सन् 1996 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग को देश के 12 उन शिक्षण केन्द्रों में से एक के रूप में चुना गया जहां योजना आयोग, भारत सरकार ने *'आयोजन एवं विकास इकाई'* स्थापित की है और इस इकाई की स्थापना हेतु कुल 30 लाख रुपये का अनुदान अवमुक्त किया गया। अब यह इकाई नीति आयोग के अन्तर्गत संचालित है। *प्रोफेसर जीन ड्रेज़* आयोजन एवं विकास इकाई के प्रथम चेयर प्रोफेसर रहे हैं। वर्तमान में प्रोफेसर मनमोहन कृष्ण आयोजन एवं विकास इकाई के चेयर प्रोफेसर हैं।

आयोजन एवं विकास इकाई द्वारा फरवरी 2022 में प्रोफेसर डी. के. श्रीवास्तव द्वारा लिखित एक मोनोग्राफ "On the Economic Ideas of Professor J. K. Mehta : A Journey into the Interior of the Self" प्रकाशित किया गया।

(ब) गोविन्द बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, झूँसी, प्रयागराज

विभाग के शोध छात्र-छात्रायें व शिक्षक इस संस्थान द्वारा आयोजित शैक्षणिक तथा शोध कार्यक्रमों में परस्पर सहयोग करते हैं।

रोजगार–उन्मुख कोर्स :

विदेशी व्यापार में एक वर्षीय परास्नातक डिप्लोमा कार्यक्रम :

सत्र 2002-03 से अर्थशास्त्र विभाग ने विदेशी व्यापार के बढ़ते हुए महत्व तथा इनके प्रशिक्षण के पश्चात् रोजगार प्राप्त करने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए एक वर्षीय स्ववित्त पोषित कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया था। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले अनेक सफल विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के पश्चात् निर्यात गृहों, औद्योगिक इकाईयों में उपयुक्त रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं तथा कई विद्यार्थियों ने अपनी निर्यात इकाईयां स्थापित करने में भी सफलता प्राप्त की हैं।

इस एक वर्षीय परास्नातक विदेशी व्यापार डिप्लोमा कार्यक्रम को दो वर्षीय एम.बी.ए. (अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय) के डिग्री कार्यक्रम में परिवर्तन करने हेतु प्रक्रिया जारी है।

सत्र 2015-16 से एम0ए0 पाठ्यक्रम में सेमेस्टर प्रणाली प्रारम्भ की गयी है।

शताब्दी वर्ष

जुलाई 2014 से जून 2015 की अवधि के मध्य अर्थशास्त्र विभाग द्वारा शताब्दी वर्ष मनाने का निर्णय लिया गया था। इस अवधि में अर्थशास्त्र विभाग के सभी परिषदों की गतिविधियाँ ''अर्थशास्त्र विभाग शताब्दी वर्ष समारोह'' की गतिविधियों के रूप में सम्पन्न हुईं। दिसम्बर 2015 में *समसामयिक वैश्विक आर्थिक मुद्दों (Contemporary Global Economic Issues)* पर एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था तथा फरवरी 2016 में *हरित भविष्य की ओर (Towards a Green Future)* पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। मार्च 2017 में *भारत में आर्थिक उदारीकरण के 25 वर्ष : आगे का मार्ग (Twenty Five Years of Economic Reforms in India : The Path Ahead)* विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। मार्च 2018 में *नगदी रहित अर्थव्यवस्था की दिशा में उत्कृष्ट पहल : मुद्दे और चुनौतियाँ (Cashless Economy and Financial Inclusion in India : Issues and Challenges)* विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इसी कड़ी में विभाग ने पुरा छात्र-छात्राओं हेतु **'अर्थशास्त्र विभाग पुरा छात्र परिषद्' (Alumini Association of Economics Department)** का गठन किया गया। इस परिषद के अंतर्गत भी हर वर्ष पुरा-छात्र सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। अर्थशास्त्र विभाग के पुरा-छात्र विभाग के अधोसंरचना के विकास के साथ-साथ वर्तमान छात्रों के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न पुरस्कार भी प्रदान करते हैं। इन पुरा-छात्रों में से ही एक डॉ0 सुधाकर पण्डा ने भारतीय रिजर्व बैंक के उप गवर्नर डॉ0 हारुन खान के सहयोग से विभाग के व्याख्यान कक्ष संख्या 7 को एक अत्याधुनिक सभागार कक्ष के रूप में विकसित करने के लिये 28 लाख रुपये की सहयोग राशि उपलब्ध करायी। जिसके सहयोग से 11 फरवरी, 2017 को इस नव-निर्मित सेमिनार कक्ष का उद्घाटन किया गया।

सभी पुरा-छात्र एवं छात्राओं से उम्मीद है कि वे अपने अध्ययन काल के दौरान जिस संस्था से जुड़े रहे हैं, उसकी प्रगति हेतु यथासंभव सहयोग करेगें।

मुझे आशा है कि अर्थशास्त्र विभाग से आपकी सम्बद्धता सुखद व फलदायक सिद्ध होगी और हम सब मिलकर एक उन्नत और समृद्ध भारत का निर्माण करेंगे।

प्रो0 किरन सिंह
अध्यक्ष
अर्थशास्त्र विभाग

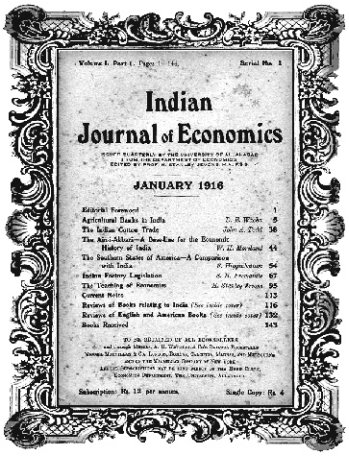

Indian
Journal of Economics

JANUARY 1916

The Indian Journal of Economics [IJE]

The Indian Journal of Economics was established by Prof. H. Stanley Jevons, First Head of the Department of Economics, University of Allahabad. The first Issue of the Journal appeared in January, 1916. This is the oldest surviving national Economics journal of the country and is being published on quarterly basis regularly since 1916.

The Journal is published with the three-fold object of providing a medium for the publication of articles on economic problems by authors of academic standing or authoritative positions, furnishing a convenient and compact vehicle for publication of original investigations and disseminating information about the economic activities of India and other countries. Its scope has been generally extended since then so as to cover every branch of economic science.

Since 1949 the Indian Journal of Economics disassociated itself with the Indian Economic Association but has continued with its uninterrupted publication till date, and has wide national and international circulations. During the past 100 years, the Journal has succeeded in developing many debates on various aspects of Economic Theory and Policy.

This Peer-reviewed Quarterly Journal has been listed in the UGC-Care List of Journals.

website : www.indianjournalofeconomics.com

Under the Centenary Year activities, in 2014 the Department of Economics had taken an environmental initiative **"Eco-Green"** with a tag line **Think Green-Act Green**. The Department of Economics is the first in the University to launch such an effort in order to make the environment more clean.

The objective is to educate and involve the students in environmental issues. In this context the department has decided to observe the environmental calendar to commemorate important days relating to different environmental aspects. Prof. Prahlad Kumar was the first Patron of Eco-Green. Prof. P. K. Ghosh was the first Convener of Eco-Green. Prof. Kiran Singh, HoD is the current Patron.

OBJECTIVES – THINK GREEN

1- Educating students and youngsters about environmental issues.

2- To enhance the level of environmental awareness.

3- To enhance the understanding of the relationship between human beings and the environment.

4- Think differently about our interactions with the environment.

5- Taking decisions that help the environment rather than harm it.

6- To develop capabilities /skills to improve and protect the environment.

7- To mobilise students' participation for preservation and conservation of environment.

8- Effective implementation of environment management and conservation programmes.

9- To develop the habit in the students how to help in the protection of the environment by their simple and easy daily routine acts in the institution and at home.

10- To observe the environment calendar.

11- Inculcating a sense of responsibility and a pro-active citizenship.

ENVIRONMENT CALENDAR

February 02	–	World Wetlands Day
March 20	–	World Sparrow Day
March 21	–	World Forestry Day
March 22	–	World Water Day
April 22	–	Earth Day
May 22	–	World Biodiversity Day
June 05	–	World Environment Day
June 08	–	World Oceans Day
July 11	–	World Population Day
July 29	–	International Tiger Day
September 16	–	World Ozone Day
October 14	–	International E-waste Day
October 24	–	Freshwater Dolphin Day
December 11	–	World Mountain Day

ACTIVITIES – ACT GREEN

On these days, one or more of the following items on the specific issue can be organised –

1- Hold a discussion.
2- Organise a debate.
3- Give a talk on the subject.
4- Organise a JAM (Just a minute) competition.
5- Arrange a film show.
6- Organise a poster/ painting competition.
7- Have a photograph competition.
8- Organise a quiz.
9- Arrange a wall display highlighting the occasion.
10- Enact a play highlighting the issue.
11- Read a poem or a quotation or both.
12- "Hands-on" learning programmes like tree plantation, clean your neighborhood drive, caring for an animal, etc.

Outreach Programme

To rollout an outreach programme designed to help and encourage marginalized and disadvantaged members of the local community of nearby areas within the district.

The activities will especially focus on rural poor in general and girls and women in particular to make them empowered and active agents of change in the society.

Proposed Outreach Activities :-

- Adoption of a village.
- Health, Hygiene and Sanitation : Awareness and participation.
- Field training and workshop on Environmental conservation and promotion practices.
- Digital literacy and training in Computer Application.
- Promotion & awareness of financial inclusion of women.
- To conduct Nature camp for the Children.

To encourage active involvement and participation of the students of Economics Department, University of Allahabad.

Webinars organized

The "Economists Speak", was launched by Prof. P. K. Ghosh, the then Head, Department of Economics, University of Allahabad, for promoting student engagement and learning Online during lockdown and beyond. It connects distinguished economists, academicians and eminent scholars for dissemination of knowledge and sharing of ideas on various dimensions of economics & economy.

In this "Economists Speak" series, the First web session was organised on 11 May, 2020. Prof. Sudhakar Panda, an alumnus of the Department of Economics, University of Allahabad and the present Vice-Chancellor of Birla Global University, Bhubaneswar, delivered his e-lecture on "Post Covid-19 Indian Economy : Challenges & Possibilities".

The Second web session of "Economists Speak" was organised on 22 June, 2020. Prof. Tahereh Alavi Hojjat, Chair & Professor of Economics DeSales University, Center Valley, Pennsylvania, United States delivered her e-lecturer on "Reopening the Economy : Challenges and Opportunities"

The Third web session of "Economists Speak" was organised on 30 July, 2020. Dr. Homagni Choudhury, Head of the Department of Economics at Kingston University in London delivered his e-lecturer on "A tale of two Indias : Are the best leaving behind the rest ?"

The Fourth web session of "Economists Speak" was organised on 27 February, 2021. Prof. P. K. Chaubey, Former Professor, IIPA New Delhi, IMS Lucknow & IGNOU, New Delhi delivered his e-lecturer on "India's Strategy for Fighting COVID-19 Recession".

The Fifth hybrid session of "Economists Speak" was organised on 27 October, 2021. Dr. Michael Debabrata Patra, Dupty Governor, Reserve Bank of India delivered his e-lecturer on "India's Economic Growth : Challenges Ahead".

A virtual discussion on "How to Publish Successfully ?" was jointly organized by the Bournemouth University, U.K. and the Department of Economics, University of Allahabad on 03 March 2022. The discussion

on the topic took place between Prof. Sangeeta Khorana of Bournemouth University and Prof. Justin Paul of University of Puerto Rico, USA.

The Fifth web session of "Economists Speak" was organised on 20 April, 2022. Dr. Hippu Salk Kristle Nathan of Institute of Rural Management (IRMA), Anand, Gujarat delivered his e-lecturer on "A New Approach to Assess Energy Poverty: An illustration from Urban Areas of Indian States".

The Sixth web session of "Economists Speak" was organised on 30 April, 2022. Prof. S. R. Keshava of Department of Economics, Bangalore University delivered his e-lecturer on "Russia-Ukraine War : Impact on Indian Economy".

To commemorate the World Environment Day, 2022 a web session was organized on 05 June 2022. Prof. Sudhakar Panda, Former Vice-Chancellor, Birla Global University, Bhubaneswar delivered a e-lecturer on "Environmental Protection for Sustainable Development".

A virtual session was specially organized for the Research Scholars of economics perusing the Pre-Ph.D. Course Work. Prof. Sangeeta Khorana of Bournemouth University, U.K. and Adjunct Faculty of Department of Economics, University of Allahabad delivered her e-lecture on "How to do Research ?" on 21 September 2022.

5-DAY ONLINE WORKSHOP

Under the aegis of the Planning and Development Unit of NITI Aayog, the Department of Economics organized a 5-Day Online Workshop on ***"Basic Econometrics: Tools and Techniques"*** from 27 to 31 January 2022. The workshop was organized for Post-graduate students and Ph.D. Scholars of economics and other allied subjects of various universities aimed at imparting a thorough understanding of basic econometric tools and techniques that are wieldy used in the field of empirical research and practice.

The distinguished resource persons for the workshop were drawn from different reputed institutions of India.

Prof. P. K. Ghosh was the Coordinator of the Workshop.

ALUMNI ASSOCIATION

With the purpose of connecting the former students of the department, the Alumni Association of the department of the Economics was established in the Centenary Year 2014. The Department has organized seven alumni meets so far in which various programmes were held. The Association confers three awards to deserving students and prestigious Prof. J. K. Mehta Award to the eminent alumnus. The Head of Department is ex-officio president of the association and Sri Sudhanshu Tiwari, Joint Commissioner, Industry, Prayagraj is its General Secretary at present. There are about 500 life members registered with the Alumni Association.

The Alumni Association organized a Webinar on "Future of Globalization in Post Covid Era" on 23rd May, 2020, in which Prof. Sangeeta Khorana of Bournemouth University, London, Dr. Vineet Srivastava, Director of Executive Assistant of Dy. Governor RBI and Mr. Dipak Kumar, IAS, Principal Secretary, Department of Environment, Forest & Climate Change, Bihar over the Panelists.

A virtual Panel Discussion on "POST COVID CARE" was organised by the Classic 86 batch under the aegis of Alumni Association on 22 May 2021. The Panellist included Dr. Rashmi Kant Mishra, Dr. Shishir Srivastava and Acharya Kaushal Kumar. Mr. Shishir Sandipan, Business Head Alliance Insurance Brockers was the moderator of the panel discussion.

The Alumini Award Function was organised on 17 November, 2021. Dr. Michael Debabrata Patra, Deputy Governor, Reserve Bank of India graced the function as Chief Guest and delivered a Special Lecture on "India's Economic Growth : Challenges Ahead".

On behalf of the Department, I welcome you and assure that your stay in the Department will be fruitful and opening new vistas of opportunities through proper guidance and counseling from your teachers. I believe that your relations with the Department of Economics will be rewarding and everlasting.

Prof. Kiran Singh
Head & Ex-officio President

J. K. Mehta Award for Excellence

Every Year in its Annual Meet the Association confers three award to deserving students and prestigious "J. K. Mehta Award for Excellence" to an eminent alumnus.

2016-17	**Prof. P. N. Mehrotra**
2017-18	**Prof. G. C. Tripathi**
2018-19	**Prof. D. K. Srivastava**
2019-20	**Prof. Sri Prakash**
2020-21	**Prof. Sudhakar Panda**

"Nobody is bothered about an institution more than its alumni"

– N. R. Narayana Murthy

Azadi ka Amrit Mahotasav

Painting Competition	:	Topic "Azadi ka Amrit Mahotasav"
Essay Competition	:	Topic "Doubling Farmers' Income"
Essay Competition	:	Topic "Role of Youth in Environmental Protection and Women Empowerment"
Quiz Competition	:	Topic "75 Years of Indian Economy"
Photo Competition	:	Topic "Ganga: Through My Lens"
Photo Competition	:	Topic "Poverty"
Cultural Presentation	:	Poem, Songs and Motivational Speeches
Special Patriotic Lectures	:	Topic "Know the Indian Armed Forces" (on *1971 War Victory,* स्वर्णिम विजय दिवस)
	:	Topic "Salute to Indian Armed Forces" (on कारगिल विजय दिवस)
Blood Donation Programme	:	75 units of Blood Donated by the students.
Plantation Programme	:	Plantation of Saplings.

REFRESHER COURSE IN ECONOMICS

Under aegis of UGC-Human Resource Development Centre, University of Allahabad an online Refresher Course In Economics was organized by the Department of Economics from 25 September to 08 October 2021. The theme of the Refresher Course was "***Post-Covid Indian Economy : The Path Ahead***".

Eminent academicians from India and abroad gave their presentations as distinguished resource persons of the refresher course.

The course was attended by 24 participants of universities and degree colleges of different parts of India.

Mr. Javed Akhtar was the Course Coordinator.

B.A. PART-II

REVISED SYLLABUS

(FROM 2016-17)

INSTRUCTIONS FOR ALL THE PAPERS

1. **Q. 1 will be compulsory and based on units I-IV. It will have two parts. Part A shall consist of six multiple choice type objective questions of one mark each. Part B shall consist of four short answer questions of 75-100 words of 3 marks each.**
2. **Q. 2 to Q. 5 will be long answer questions of 8 marks each.**
3. **Q. 2 will be from Unit I, Q. 3 will be from Unit II, Q. 4 will be from Unit III and Q. 5 will be from Unit IV.**

   Each Unit will have two questions with internal choice out of which only one question is to be answered.

Paper - I
Macro-Economics

UNIT-I

National Income: its Measurement and Limitations, Nature of National Income Accounts in Closed and Open Economy, Uses of National Income Analysis, Social Accounting, Environmental Accounting.

UNIT-II

Theory of Employment, Say's Law of Market, Classical Theory, Keynesian Critique of Classical Theory, Simple Keynesian Theory of Employment and Income Determination, Investment function. Keynesian Consumption Function, Concept of Investment Multiplier.

UNIT-III

Nature and Causes of Trade Cycles, Theories of Trade Cycle: Hawtrey, Hayek, Schumpeter. Inflation: types, causes and impact, Inflation Employment Tradeoff: Phillips Curve, Macro Theory of Distribution: Ricardo, Marx and Kaldor.

UNIT-IV

Theories of Growth: Harrod and Domar Growth Models. Population and Development, Model of H.Leibenstein, the Low Level Equilibrium Trap: Nelson; Theory of Demographic Transition. Migration and Economic Development: Harris -Todaro Model.

Paper-II
Development and Planning

UNIT-I

Development: Meaning, Measurements and Indicators of Development. PQLI, HDI, GDI, GII, Causes of Under-development. Circular Causation: Myrdal and Nurkse, Over-Population. Technological Backwardness, Environment and Development.

UNIT-II

Selected Theoretical Prescriptions of Development: Rostow's Stages of Growth, Problem of Choice of Technique. Models of Development: Balanced vs Unbalanced Growth, Hirschman, Rosenstein Rodan, Two Gap Theory.

UNIT-III

Measures for Development, Augmentation of Savings, Investment Strategy, Capital Accumulation, Improvement in Technology and Industrialisation, Surplus Labour as a Source of Capital Formation-Lewis and Nurkse, Choice of Technique, Human Capital and Economic Development. Sustainable Development: Meaning and historical Evolution.

UNIT-IV

Concept of State vs Market, Planning: Types and objectives, planning for a mixed economy, Objectives, Strategies and Performance of recent Plans, Social sector and economic development, Education, Health, Gender Disparities.

Paper-III

Money, Banking & Public Finance

UNIT-I

The Quantity Theory of Money: Fisher and Cambridge Approaches. Keynes' Fundamental Equations. An Elementary Treatment of Saving and Investment Approach. Concepts and Components of Money Supply.

UNIT-II

Theory of Commercial Banking, Theory of Credit Creation, Credit Multiplier. Theory of Central Banking, Types of Banks- Development, Cooperative, Universal etc. Techniques of Credit Control, The Reserve Bank of India, Control of Commercial Banks & Control of Credit.

UNIT-III

Public Finance and Private Finance: Concepts and Problems, Public and Private Goods, Principle of Maximum Social Advantage. Public Expenditure: Nature and Effect. Federal Finance concept, Federal Finance in India, Division of Resources, Finance Commission: Role and objectives.

UNIT-IV

Taxation: Progressive, Regressive & Proportionate. Direct and Indirect Taxes. Principles of Taxation: Ability to Pay. Least Aggregate Sacrifice, Incidence, Impact and Shifting of Taxation in Perfect Competition and Monopoly.

बी0 ए0- द्वितीय वर्ष
संशोधित व्याख्यान क्रम
(2016-17 से)

सभी प्रश्न-पत्रों के लिए निर्देश
* प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा तथा इकाई 1 से 4 पर आधारित होगा। * इसके दो भाग होंगे। * भाग **A** में एक-एक अंक के छह बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। * भाग **B** में तीन-तीन अंक के चार 75-100 शब्दों वाले लघु उत्तरीय प्रश्न/चित्र होंगे। * प्रश्न संख्या 2 से 5 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा। प्रश्न संख्या 2 इकाई 1 से, प्रश्न संख्या 3 इकाई 2 से, प्रश्न संख्या 4 इकाई 3 से तथा प्रश्न संख्या 5 इकाई 4 से होगा। प्रत्येक इकाई में आंतरिक चयन के रूप में दो प्रश्न होंगे, जिनमें से कोई एक प्रश्न करना होगा।

प्रथम प्रश्न पत्र

समष्टि अर्थशास्त्र

इकाई- 1

* राष्ट्रीय आय - माप तथा सीमाएं
* बंद तथा खुली अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय आय लेखांकन की प्रकृति
* राष्ट्रीय आय विश्लेषण का उपयोग
* सामाजिक लेखांकन
* पर्यावरणीय लेखांकन

इकाई- 2

* रोजगार का सिद्धान्त
* से का बाजार सिद्धान्त
* प्रतिष्ठित सिद्धान्त
* प्रतिष्ठित सिद्धान्त की कीन्सीय आलोचना
* कीन्स के रोजगार तथा आय निर्धारण सिद्धान्त का सरल स्वरूप
* निवेश फलन, कीन्सीय उपभोग फलन, निवेश गुणक की संकल्पना

इकाई- 3

* व्यापार चक्र की प्रकृति तथा कारण
* व्यापार चक्र के सिद्धान्त – हाट्रे, हेयक, शुम्पीटर; मुद्रा स्फीति – प्रकार, कारण तथा प्रभाव
* मुद्रास्फीति व रोजगार में पारस्परिक संबंध, फिलिप्स वक्र
* वितरण का समष्टिभावी सिद्धान्त – रिकार्डो, मार्क्स तथा केल्डॉर

इकाई- 4

* संवृद्धि के सिद्धान्त – हैरॉड तथा डोमर के संवृद्धि मॉडल
* जनसंख्या तथा विकास – हार्वे लाइबेन्सीटन का मॉडल

* निम्न स्तरीय संतुलन पाश
* जनांकिकीय संक्रमण का सिद्धान्त
* देशांतरण तथा आर्थिक विकास – हैरिस-टोडॉरो मॉडल

द्वितीय प्रश्न पत्र
विकास और आयोजन

इकाई- 1

* विकास : अर्थ, माप तथा संकेतक
* PQLI, HDI, GDI तथा GII अल्प विकास के कारण
* चक्रीय कारण – मिर्डल तथा नर्क्स, जनाधिक्य तकनीकि सिद्धान्त, पर्यावरण तथा विकास

इकाई- 2

* विकास की कुछ चयनित सैद्धांतिक अवधारणाएं – रोस्टोव की संवृद्धि की अवस्थाएं, तकनीक के चयन की समस्या
* विकास के मॉडल – संतुलित व असंतुलित संवृद्धि, हर्षमैन, रोजेन्स्टीन – रोडान, दो-अन्तराल मॉडल

इकाई- 3

* विकास की युक्तियां – बचत तथा निवेश में वृद्धि की रणनीति, पूंजी संचय, तकनीक में सुधार तथा औद्योगीकरण
* पूँजी निर्माण के स्रोत के रूप में श्रम अतिरेक – लेविस तथा नर्क्स, तकनीक का चयन, मानव पूँजी तथा आर्थिक विकास, धारणीय विकास – अर्थ तथा ऐतिहासिक उद्‌भव

इकाई-4

* राज्य बनाम बाजार की संकल्पना
* नियोजन – प्रकार तथा उद्देश्य
* मिश्रित अर्थव्यवस्था में नियोजन
* हाल की योजनाओं के उद्देश्य, रणनीतियां तथा प्रदर्शन
* सामाजिक क्षेत्र तथा आर्थिक विकास – शिक्षा, स्वास्थ्य, लैंगिक विषमताएं

तृतीय प्रश्न पत्र
मुद्रा, बैंकिंग व लोक वित्त

इकाई-1

* मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त – फिशर तथा कैम्ब्रिज उपागम
* कीन्स के आधारभूत समीकरण
* बचत तथा निवेश उपागम का एक प्राथमिक स्वरूप
* मुद्रा पूर्ति की संकल्पना तथा घटक

इकाई-2

* वाणिज्यिक बैंकिग का सिद्धान्त
* साख सृजन का सिद्धान्त; साख गुणक
* केंद्रीय बैंकिंग का सिद्धान्त
* बैंक के प्रकार – विकास, सहकारी, सार्वजनिक आदि
* साख नियंत्रण की विधियां
* भारतीय रिजर्व बैंक
* वाणिज्यिक बैंकों का नियंत्रण तथा साख का नियंत्रण

इकाई-3

* लोक वित्त तथा निजी वित्त – संकल्पनाएं एवं समस्याएं
* लोक व निजी वस्तुएं
* अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धान्त
* लोक व्यय – प्रकृति तथा प्रभाव
* संघीय वित्त की संकल्पना
* भारत में संघीय वित्त
* संसाधनों का विभाजन
* वित्त आयोग - भूमिका तथा उद्देश्य

इकाई-4

* करारोपण – प्रगतिशील, प्रतिगामी तथा आनुपातिक कर
* प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष कर
* करारोपण के सिद्धान्त – करदेय क्षमता, न्यूनतम समग्र लाभ
* पूर्ण प्रतियोगिता तथा एकाधिकार में कराघात, कराघात तथा कर विवर्तन

DEDICATION

* * *

It is heartening to inform that the Department of Economics, in its Centenary Year named Departmental Library, Conference Hall and Computer Laboratory in memory of former teachers, in recognition of their contributions in the respective fields. **Prof. P.C. Jain Library** was inaugurated by *Mr. H. R. Khan, Deputy Governor, Reserve Bank of India, Mumbai*; **Prof. S. K. Rudra Conference Hall** by *Prof. P. K. Bhargava, Formerly Emeritus Professor, Department of Economics, Banaras Hindu University, Varanasi;* and **Prof. Mahesh Chand Computer Laboratory** by *Prof. Shri Prakash, Dean, Research, BIMTECH, Greater Noida and formerly Senior Fellow, NUEPA, New Delhi* on December 13, 2014.

Student Activities and Counselling

The Department has a very old democratic tradition of student-teacher interactions through various associations such as Economic Research Association (ERA) (1970), Economic Conversazione for M.A. Final students (1935), Busy Bees for M.A. Previous students (1934), Under Graduate Economics Association for **B.A. Part III [अर्थ चिन्तन], B.A. II [अर्थ विमर्श]** and **B.A. I [अर्थ संवाद]** students.

Each association has an executive body which includes elected student-members to manage the activities of the Associations along with President and Treasurer. These associations also play an important role for career guidance/ counseling of the students.

The activities of Economics Research Association (ERA) include Pre-Doctoral seminars, Doctoral presentations, paper reading, lectures, web-sessions, symposiums etc. for the research scholars.

The Undergraduate and Postgraduate Associations also organize symposiums and competitions like quiz, debate, essay competition, painting competition and other academic activities. In the joint annual function of Undergraduate Associations the prize winners are awarded certificates and prizes.

The joint annual function of postgraduate students of economics is one of the important social events of the Department and the University.

Under-Graduate Economics Association (B.A.-II)
(अर्थ विमर्श)

Patron	:	Prof. Kiran Singh (Head)
President	:	Prof. B. K. Chaturvedi
Treasurer	:	Dr. Sumedha Pandey

UNDERGRADUATE ECONOMICS ASSOCIATION

B.A. I, II & III

ANNUAL Competitions (2022-23)

The Prize Winners

B.A.-I

✶ Essay Competition

First	Priyanka Yadav
Second	Priyanka Kushwaha
Third	Aman Maurya
Consolation	Nishit Pandey

✶ Painting/Poster Competition

First	Priyanka Yadav
Second	Pratishta Senger
Third	Chanda Kumari
Consolation	Kundan Kumar
Consolation	Kushagra Singh

Class Representative

Tulika Singh, Anchal Bharti, Mayank Mishra, Abhijeet Pandey, Nandini Prabha, Kusum Lata Devi, Divyanshi, Rishu Upadhyay, Ayush Kumar, Riya Jaiswal, Anmol Narayan, Harshit Dwivedi, Ashwani Kumar Patel, Sunny Shaw

B.A.-II

✶ Essay Competition

First	Ayush Dutt Verma
Second	Suhani Singh
Third	Kumar Tejaswi
Consolation	Pankaj Kumar
Consolation	Anshu Shukla
Consolation	Shivani Yadav
Consolation	Nidhi Chauhan

✶ Painting/Poster Competition

First	Varsha Rani
Second	Anvita Singh
Third	Achyuta Nanadan Sahu
Consolation	Priti Kushwaha
Consolation	Archana Kumari

Class Representative

Arpit Patel, Ayush Singh, Anshuman Pandey, Anshu Shukla, Vipin Tiwari, Dinesh Chauhan, Beauty Yadav, Nandini Sahu, Nidihi Patel, Anupam Chaudhary, Kajal Singh, Tannu Singh

B.A.-III

✶ Essay Competition

First	Astha
Second	Sachin Yadav
Third	Shraddha Yadav
Consolation	Vivek Verma
Consolation	Sachin Kumar

✶ Painting/Poster Competition

First	Gadadhar Verma
Second	Nimita Goswami
Third	Uttam Srivastava

Class Representative

Eesha Shukla, Nimita Goswami, Kajal, Nisha, Akash Jaiswal, Siddharth Singh, Himanshu, Ravi Shankar,

Department of Economics
Faculty Members

1.	Akhtar, Javed	Asso. Professor	M.A.	Rural Development, Agriculture Economics
2.	Chaturvedi, B. K.	Asso. Professor	M.A., Ph.D.	Development Economics, Microeconomics
3.	Gupta, Rekha	Asst. Professor	M.A., Ph.D.	Development & Planning, Environmental Economics
4.	Jain, Swati	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Macro Economics, Public Finance
5.	Karimullah	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Financial Economics, Monetary Economics, Econometrics
6.	Kumar, Anup	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	International Economics, Economic Theories and Policy
7.	Maurya, Garima	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Development Economics, Econometrics
8.	Pandey, Aditi	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Financial Markets
9.	Pandey, Sumedha	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Public Economics
10.	Sahoo, Manoranjan	Asst. Professor	M.A., Ph.D.	Macroeconomics
11.	Satyakam, Shreedhar	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Econometrics, Macroeconomics, Environmental Economics
12.	Singh, Kiran	Professor & Head	M.A., D.Phil.	Agricultural Economics, Industrial Economics
13.	Singh, Pradeep K.	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	International Economics, India's Economic Policy, Globalization Studies
14.	Sonkar, Deepshikha	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Demography, Public Enterprises, Indian Economic Policy
15.	Srivastava, Pooja	Asst. Professor	M.A., Ph.D.	Econometrics, Mathematical Economics, Indian Economic Policy
16.	Uraon, Dharmnath	Asst. Professor	M.A., Ph.D.	Mathematical Economics, Mathematical Statistics & Banking Theory

NITI Aayog Chair Professor

- Prof. Jean Dreze 2009 2015
- Prof. Manmohan Krishana 2022 - till date

DEPARTMENT OF ECONOMICS

Heads of the Department

S.N.	NAME	Year From	To
1.	Prof. H. S. Jevons	1914	1923
2.	Prof. A. R. Burnett-Hurst	1923	1927
3.	Prof. C. D. Thompson	1927	1935
4.	Prof. S. K. Rudra	1936	1951
5.	Prof. N. S. Subba Rao (In leave vacancy)	1942	1943
6.	Prof. J. K. Mehta	1951	1963
7.	Prof. P. C. Jain	1964	1977
8.	Prof. S. L. Parmar	1978	1979
9.	Prof. Mahesh Chand	1979	1981
10.	Prof. D. S. Kushwaha	1982	1989
11.	Prof. V. K. Anand	1990	1997
12.	Prof. P. N. Mehrotra	1997	2008
13.	Prof. Alka Agarwal	2008	2010
14.	Prof. U. S. Rai	2010	2012
15.	Prof. Jagdish Narayan	2012	2014
16.	Prof. Prahlad Kumar	2014	2016
17.	Prof. Manmohan Krishna	2016	2018
18.	Prof. G. C. Tripathi	2018	2020
19.	Prof. P. K. Ghosh	2020	2022
20	Prof. Kiran Singh	2022	till date

AMRIT KAAL

From 75 years to 100 years
of
India's Independence

DEPARTMENT OF ECONOMICS

UNIVERSITY OF ALLAHABAD

2023-24

Lecture List

(व्याख्यान सूची)

B.A. -III

अर्थशास्त्र विभाग

इलाहाबाद विश्वविद्यालय

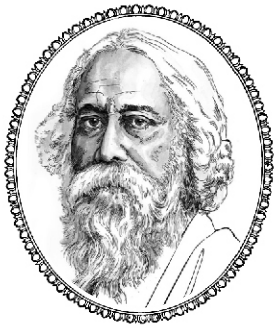

Heritage Building of the Department of Economics

The building of the Department of Economics carries a legacy of rich heritage. Since 1904 to 1922 it housed the famous Indian Press established by Chintamoni Ghosh known as Caxton of Hindi world. The Indian Press published rich prose and poems in Bangla, Hindi, English and Urdu language.

Between 1909 and 1914, Indian Press published 87 books by Gurudev Rabindrantath Tagore. In 1912 Tagore's immortal work 'Gitanjali' was printed in this Department which fetched him the grand Nobel Prize in Literature in 1913 and blazed him into world-wide glory.

In 1914 he visited the Indian Press for the second time. Rabindranath punctually reached the portals of the Indian Press at mid-day, and the poet, smiling as he was then, got down only to see the smiling Chintamoni Babu, waiting to receive him personally. What a majestic scene of cordial embrace the one did the other! The press-employees, who had been especially permitted that day to stand and wait outside to have a glimpse of the Poet, were all speechless at this spectacle. The poet said first, 'Chintamoni Babu! I have no words to thank you. Im am simply overwhelmed...." At once quipped Chinatamoni Babu, "I have a request! Let us have the privilege to hear in camera your song in your voice." To this the poet readily acceded and all went to the drawing-room of Chintamoni Babu where a piano was kept. The poet rendered the music on the instrument and tuned the first song of his Gitanjali in his melodious voice :

"Aamar matha nato korey daao hey
tomar charan dhular taley..."

प्रिय छात्रगण,

मुझे हर्ष है कि स्नातक पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आपने अर्थशास्त्र विषय को चुना है। यह कहना उपयुक्त होगा कि अर्थशास्त्र के सिद्धान्त व विश्लेषण के उपकरण अब अधिकाधिक रूप से अनेक सामाजिक-आर्थिक समस्याओं यथा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण आदि अध्ययन-क्षेत्रों में प्रयोग किये जा रहे हैं। इनमें से कुछ की झलक आपको बी0 ए0 पाठ्यक्रम में मिलेगी।

हम सबके लिये गौरव का विषय है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय का अर्थशास्त्र विभाग देश के सबसे पुरातन अर्थशास्त्र विभागों में से एक है जिसके आप एक अंग हैं। इसकी स्थापना 1914 में प्रो. एच. एस. जेवन्स ने वर्ष 1916 में इण्डियन जर्नल ऑफ इकॉनॉमिक्स की स्थापना की जो भारत का उच्च शैक्षणिक स्तर पर प्रथम जर्नल था तथा अब भी विभाग से प्रकाशित हो रहा है। जेवन्स ने ही कतिपय अन्य भारतीय अर्थशास्त्रियों के साथ मिलकर इण्डियन इकॉनॉमिक एसोसिएशन की स्थापना वर्ष 1917-18 में की। इस विभाग के बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध के अन्य शीर्षस्थ अर्थशास्त्री थे प्रो0 ए.आर. बर्नेट-हर्स्ट, प्रो. सी. डी. थॉमसन, प्रो0 एस0 के0 रूद्रा, प्रो0 बी0 पी0 अडारकर तथा प्रो0 जे0 के0 मेहता। उत्तरार्द्ध के प्रमुख अर्थशास्त्रियों में सर्वश्री प्रो0 पी0 सी0 जैन, महेश चन्द्र, आर0 एन0 भार्गव, आर0 बी0 बहादुर, आई0 जेड भट्टी, पी0 डी0 हजेला, एल0 एल0 परमार आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। अन्य प्रख्यात अर्थशास्त्री जो विभाग से सम्बद्ध रहे उनके नाम हैं प्रो0 एल0एल0 परमार, प्रो0 गौतम माथुर, प्रो0 डी0 एस0 कुशवाहा, प्रो0 वी0 के0 आनन्द, प्रो0 आर0 एन0 लोहकर, प्रो0 पी0 एन0 मेहरोत्रा, प्रो0 अलका अग्रवाल, प्रो0 एस0 एन0 लाल इत्यादि।

विभाग में कार्यरत रहते हुए प्रो0 एच0 एस0 जेवन्स, सी0 डी0 टॉम्सन, सुधीर कुमार रुद्रा और जे0 के0 मेहता इण्डियन एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। एसोसिएशन के अन्य अध्यक्षों में जो विभाग से भी संबंधित रहे, निम्नलिखित प्रमुख हैं - सर्वश्री एम0 बी0 माथुर, गौतम माथुर, पी0 डी0 अजेला, बारिद बी0 भट्टाचार्य प्रमुख हैं। विभाग में विद्यार्थी और अध्यापक रहे डॉ0 डी0 के0 श्रीवास्तव वित्त आयोग के सदस्य, मद्रास स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स के निदेशक तथा अर्न्स्ट एण्ड यंग के मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके हैं।

विभाग में 34 शिक्षक पद हैं तथा आचार्य का एक पद योजना आयोग द्वारा भी सृजित किया गया है। विगत वर्षों में विभाग के अनेक सदस्य संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, युनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड्स, बोट्स्वाना, रूस, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, नाइजीरिया, साउथ अफ्रीका, जापान, सिंगापुर, मलेशिया आदि देशों की यात्रा फेलोशिप प्रोग्राम तथा अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठियों में भाग लेने हेतु कर चुके हैं।

विभाग में पठन-पाठन का स्तर देश के चर्चित विश्वविद्यालयों के समकक्ष है तथा विषय के पाठ्यक्रम इस प्रकार से संगठित किये गये हैं कि अर्थशास्त्र विषय की प्रमुख धाराओं का ज्ञान छात्रों को सुव्यवस्थित रूप से उपलब्ध हो सके।

भारतवर्ष में अर्थशास्त्र की प्रथम शोध-पत्रिका "The Indian Journal of Economics", का प्रकाशन हमारे विभाग द्वारा 1916 से निरंतर किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित शोध-पत्रिका में देश-विदेश के अर्थशास्त्रियों के शोध-प्रपत्र प्रकाशित होते हैं तथा इसका प्रसार भारत के अतिरिक्त अन्य देशों में भी है।

विभाग का देश के विभिन्न प्रसिद्ध शिक्षण व शोध संस्थानों से अंतरंग एवं नेटवर्किंग पूर्व-स्थापित है, जिसे और अधिक गहन बनाने की सतत् प्रक्रिया जारी है। इनमें से कतिपय विशिष्ट संस्थानों का परिचय निम्नवत है—

(अ) नीति आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली :

योजना आयोग द्वारा सन् 1996 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग को देश के 12 उन शिक्षण केन्द्रों में से एक के रूप में चुना गया जहां योजना आयोग, भारत सरकार ने *'आयोजन एवं विकास इकाई'* स्थापित की है और इस इकाई की स्थापना हेतु कुल 30 लाख रुपये का अनुदान अवमुक्त किया गया। अब यह इकाई नीति आयोग के अन्तर्गत संचालित है। *प्रोफेसर जीन ड्रेज़* आयोजन एवं विकास इकाई के प्रथम चेयर प्रोफेसर रहे हैं। वर्तमान में प्रोफेसर मनमोहन कृष्ण आयोजन एवं विकास इकाई के चेयर प्रोफेसर हैं।

आयोजन एवं विकास इकाई द्वारा फरवरी 2022 में प्रोफेसर डी. के. श्रीवास्तव द्वारा लिखित एक मोनोग्राफ "On the Economic Ideas of Professor J. K. Mehta : A Journey into the Interior of the Self" प्रकाशित किया गया।

(ब) गोविन्द बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, झूँसी, प्रयागराज

विभाग के शोध छात्र-छात्रायें व शिक्षक इस संस्थान द्वारा आयोजित शैक्षणिक तथा शोध कार्यक्रमों में परस्पर सहयोग करते हैं।

रोजगार–उन्मुख कोर्स :

विदेशी व्यापार में एक वर्षीय परास्नातक डिप्लोमा कार्यक्रम :

सत्र 2002-03 से अर्थशास्त्र विभाग ने विदेशी व्यापार के बढ़ते हुए महत्व तथा इनके प्रशिक्षण के पश्चात् रोजगार प्राप्त करने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए एक वर्षीय स्ववित्त पोषित कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया था। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले अनेक सफल विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के पश्चात् निर्यात गृहों, औद्योगिक इकाईयों में उपयुक्त रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं तथा कई विद्यार्थियों ने अपनी निर्यात इकाईयां स्थापित करने में भी सफलता प्राप्त की हैं।

इस एक वर्षीय परास्नातक विदेशी व्यापार डिप्लोमा कार्यक्रम को दो वर्षीय एम.बी.ए. (अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय) के डिग्री कार्यक्रम में परिवर्तन करने हेतु प्रक्रिया जारी है।

सत्र 2015-16 से एम0ए0 पाठ्यक्रम में सेमेस्टर प्रणाली प्रारम्भ की गयी है।

शताब्दी वर्ष

जुलाई 2014 से जून 2015 की अवधि के मध्य अर्थशास्त्र विभाग द्वारा शताब्दी वर्ष मनाने का निर्णय लिया गया था। इस अवधि में अर्थशास्त्र विभाग के सभी परिषदों की गतिविधियाँ ''अर्थशास्त्र विभाग शताब्दी वर्ष समारोह'' की गतिविधियों के रूप में सम्पन्न हुईं। दिसम्बर 2015 में *समसामयिक वैश्विक आर्थिक मुद्दों (Contemporary Global Economic Issues)* पर एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था तथा फरवरी 2016 में *हरित भविष्य की ओर (Towards a Green Future)* पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। मार्च 2017 में *भारत में आर्थिक उदारीकरण के 25 वर्ष : आगे का मार्ग (Twenty Five Years of Economic Reforms in India : The Path Ahead)* विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। मार्च 2018 में *नगदी रहित अर्थव्यवस्था की दिशा में उत्कृष्ट पहल : मुद्दे और चुनौतियाँ (Cashless Economy and Financial Inclusion in India : Issues and Challenges)* विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

इसी कड़ी में विभाग ने पुरा छात्र-छात्राओं हेतु **'अर्थशास्त्र विभाग पुरा छात्र परिषद्' (Alumini Association of Economics Department)** का गठन किया गया। इस परिषद के अंतर्गत भी हर वर्ष पुरा-छात्र सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। अर्थशास्त्र विभाग के पुरा-छात्र विभाग के अधोसंरचना के विकास के साथ-साथ वर्तमान छात्रों के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न पुरस्कार भी प्रदान करते हैं। इन पुरा-छात्रों में से ही एक डॉ0 सुधाकर पण्डा ने भारतीय रिजर्व बैंक के उप गवर्नर डॉ0 हारुन खान के सहयोग से विभाग के व्याख्यान कक्ष संख्या 7 को एक अत्याधुनिक सभागार कक्ष के रूप में विकसित करने के लिये 28 लाख रुपये की सहयोग राशि उपलब्ध करायी। जिसके सहयोग से 11 फरवरी, 2017 को इस नव-निर्मित सेमिनार कक्ष का उद्घाटन किया गया।

सभी पुरा-छात्र एवं छात्राओं से उम्मीद है कि वे अपने अध्ययन काल के दौरान जिस संस्था से जुड़े रहे हैं, उसकी प्रगति हेतु यथासंभव सहयोग करेगें।

मुझे आशा है कि अर्थशास्त्र विभाग से आपकी सम्बद्धता सुखद व फलदायक सिद्ध होगी और हम सब मिलकर एक उन्नत और समृद्ध भारत का निर्माण करेंगे।

प्रो0 किरन सिंह
अध्यक्ष
अर्थशास्त्र विभाग

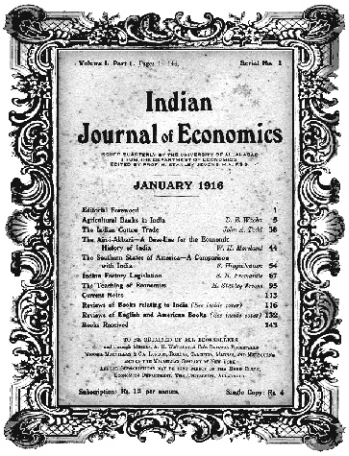

Indian
Journal of Economics

JANUARY 1916

The Indian Journal of Economics [IJE]

The Indian Journal of Economics was established by Prof. H. Stanley Jevons, First Head of the Department of Economics, University of Allahabad. The first Issue of the Journal appeared in January, 1916. This is the oldest surviving national Economics journal of the country and is being published on quarterly basis regularly since 1916.

The Journal is published with three-fold object of providing a medium for the publication of articles on economic problems by authors of academic standing or authoritative positions, furnishing a convenient and compact vehicle for publication of original investigations and disseminating information about the economic activities of India and other countries. Its scope has been generally extended since then so as to cover every branch of economic science.

Since 1949 the Indian Journal of Economics disassociated itself with the Indian Economic Association but has continued with its uninterrupted publication till date, and has wide national and international circulations. During the past 100 years, the Journal has succeeded in developing many debates on various aspects of Economic Theory and Policy.

This Peer-reviewed Quarterly Journal has been listed in the UGC-Care List of Journals.

website : www.indianjournalofeconomics.com

Under the Centenary Year activities, in 2014 the Department of Economics had taken an environmental initiative **"Eco-Green"** with a tag line **Think Green-Act Green**. The Department of Economics is the first in the University to launch such an effort in order to make the environment more clean.

The objective is to educate and involve the students in environmental issues. In this context the department has decided to observe the environmental calendar to commemorate important days relating to different environmental aspects. Prof. Prahlad Kumar was the first Patron of Eco-Green. Prof. P. K. Ghosh was the first Convener of Eco-Green. Prof. Kiran Singh, HoD is the current Patron.

OBJECTIVES – THINK GREEN

1- Educating students and youngsters about environmental issues.

2- To enhance the level of environmental awareness.

3- To enhance the understanding of the relationship between human beings and the environment.

4- Think differently about our interactions with the environment.

5- Taking decisions that help the environment rather than harm it.

6- To develop capabilities /skills to improve and protect the environment.

7- To mobilise students' participation for preservation and conservation of environment.

8- Effective implementation of environment management and conservation programmes.

9- To develop the habit in the students how to help in the protection of the environment by their simple and easy daily routine acts in the institution and at home.

10- To observe the environment calendar.

11- Inculcating a sense of responsibility and a pro-active citizenship.

ENVIRONMENT CALENDAR

February 02	–	World Wetlands Day
March 20	–	World Sparrow Day
March 21	–	World Forestry Day
March 22	–	World Water Day
April 22	–	Earth Day
May 22	–	World Biodiversity Day
June 05	–	World Environment Day
June 08	–	World Oceans Day
July 11	–	World Population Day
July 29	–	International Tiger Day
September 16	–	World Ozone Day
October 14	–	International E-waste Day
October 24	–	Freshwater Dolphin Day
December 11	–	World Mountain Day

ACTIVITIES – ACT GREEN

On these days, one or more of the following items on the specific issue can be organised –

1- Hold a discussion.
2- Organise a debate.
3- Give a talk on the subject.
4- Organise a JAM (Just a minute) competition.
5- Arrange a film show.
6- Organise a poster/ painting competition.
7- Have a photograph competition.
8- Organise a quiz.
9- Arrange a wall display highlighting the occasion.
10- Enact a play highlighting the issue.
11- Read a poem or a quotation or both.
12- "Hands-on" learning programmes like tree plantation, clean your neighborhood drive, caring for an animal, etc.

Outreach Programme

To rollout an outreach programme designed to help and encourage marginalized and disadvantaged members of the local community of nearby areas within the district.

The activities will especially focus on rural poor in general and girls and women in particular to make them empowered and active agents of change in the society.

Proposed Outreach Activities :-

- Adoption of a village.
- Health, Hygiene and Sanitation : Awareness and participation.
- Field training and workshop on Environmental conservation and promotion practices.
- Digital literacy and training in Computer Application.
- Promotion & awareness of financial inclusion of women.
- To conduct Nature camp for the Children.

To encourage active involvement and participation of the students of Economics Department, University of Allahabad.

Webinars organized

The "Economists Speak", was launched by Prof. P. K. Ghosh, the then Head, Department of Economics, University of Allahabad, for promoting student engagement and learning Online during lockdown and beyond. It connects distinguished economists, academicians and eminent scholars for dissemination of knowledge and sharing of ideas on various dimensions of economics & economy.

In this "Economists Speak" series, the First web session was organised on 11 May, 2020. Prof. Sudhakar Panda, an alumnus of the Department of Economics, University of Allahabad and the present Vice-Chancellor of Birla Global University, Bhubaneswar, delivered his e-lecture on "Post Covid-19 Indian Economy : Challenges & Possibilities".

The Second web session of "Economists Speak" was organised on 22 June, 2020. Prof. Tahereh Alavi Hojjat, Chair & Professor of Economics DeSales University, Center Valley, Pennsylvania, United States delivered her e-lecturer on "Reopening the Economy : Challenges and Opportunities"

The Third web session of "Economists Speak" was organised on 30 July, 2020. Dr. Homagni Choudhury, Head of the Department of Economics at Kingston University in London delivered his e-lecturer on "A tale of two Indias : Are the best leaving behind the rest ?"

The Fourth web session of "Economists Speak" was organised on 27 February, 2021. Prof. P. K. Chaubey, Former Professor, IIPA New Delhi, IMS Lucknow & IGNOU, New Delhi delivered his e-lecturer on "India's Strategy for Fighting COVID-19 Recession".

The Fifth hybrid session of "Economists Speak" was organised on 27 October, 2021. Dr. Michael Debabrata Patra, Dupty Governor, Reserve Bank of India delivered his e-lecturer on "India's Economic Growth : Challenges Ahead".

A virtual discussion on "How to Publish Successfully ?" was jointly organized by the Bournemouth University, U.K. and the Department of Economics, University of Allahabad on 03 March 2022. The discussion

on the topic took place between Prof. Sangeeta Khorana of Bournemouth University and Prof. Justin Paul of University of Puerto Rico, USA.

The Fifth web session of "Economists Speak" was organised on 20 April, 2022. Dr. Hippu Salk Kristle Nathan of Institute of Rural Management (IRMA), Anand, Gujarat delivered his e-lecturer on "A New Approach to Assess Energy Poverty: An illustration from Urban Areas of Indian States".

The Sixth web session of "Economists Speak" was organised on 30 April, 2022. Prof. S. R. Keshava of Department of Economics, Bangalore University delivered his e-lecturer on "Russia-Ukraine War : Impact on Indian Economy".

To commemorate the World Environment Day, 2022 a web session was organized on 05 June 2022. Prof. Sudhakar Panda, Former Vice-Chancellor, Birla Global University, Bhubaneswar delivered a e-lecturer on "Environmental Protection for Sustainable Development".

A virtual session was specially organized for the Research Scholars of economics perusing the Pre-Ph.D. Course Work. Prof. Sangeeta Khorana of Bournemouth University, U.K. and Adjunct Faculty of Department of Economics, University of Allahabad delivered her e-lecture on "How to do Research ?" on 21 September 2022.

5-DAY ONLINE WORKSHOP

Under the aegis of the Planning and Development Unit of NITI Aayog, the Department of Economics organized a 5-Day Online Workshop on ***"Basic Econometrics: Tools and Techniques"*** from 27 to 31 January 2022. The workshop was organized for Post-graduate students and Ph.D. Scholars of economics and other allied subjects of various universities aimed at imparting a thorough understanding of basic econometric tools and techniques that are wieldy used in the field of empirical research and practice.

The distinguished resource persons for the workshop were drawn from different reputed institutions of India.

Prof. P. K. Ghosh was the Coordinator of the Workshop.

ALUMNI ASSOCIATION

With the purpose of connecting the former students of the department, the Alumni Association of the department of the Economics was established in the Centenary Year 2014. The Department has organized seven alumni meets so far in which various programmes were held. The Association confers three awards to deserving students and prestigious Prof. J. K. Mehta Award to the eminent alumnus. The Head of Department is ex-officio president of the association and Sri Sudhanshu Tiwari, Joint Commissioner, Industry, Prayagraj is its General Secretary at present. There are about 500 life members registered with the Alumni Association.

The Alumni Association organized a Webinar on "Future of Globalization in Post Covid Era" on 23rd May, 2020, in which Prof. Sangeeta Khorana of Bournemouth University, London, Dr. Vineet Srivastava, Director of Executive Assistant of Dy. Governor RBI and Mr. Dipak Kumar, IAS, Principal Secretary, Department of Environment, Forest & Climate Change, Bihar over the Panelists.

A virtual Panel Discussion on "POST COVID CARE" was organised by the Classic 86 batch under the aegis of Alumni Association on 22 May 2021. The Panellist included Dr. Rashmi Kant Mishra, Dr. Shishir Srivastava and Acharya Kaushal Kumar. Mr. Shishir Sandipan, Business Head Alliance Insurance Brockers was the moderator of the panel discussion.

The Alumini Award Function was organised on 17 November, 2021. Dr. Michael Debabrata Patra, Deputy Governor, Reserve Bank of India graced the function as Chief Guest and delivered a Special Lecture on "India's Economic Growth : Challenges Ahead".

On behalf of the Department, I welcome you and assure that your stay in the Department will be fruitful and opening new vistas of opportunities through proper guidance and counseling from your teachers. I believe that your relations with the Department of Economics will be rewarding and everlasting.

Prof. Kiran Singh
Head & Ex-officio President

J. K. Mehta Award for Excellence

Every Year in its Annual Meet the Association confers three award to deserving students and prestigious "J. K. Mehta Award for Excellence" to an eminent alumnus.

2016-17	**Prof. P. N. Mehrotra**
2017-18	**Prof. G. C. Tripathi**
2018-19	**Prof. D. K. Srivastava**
2019-20	**Prof. Sri Prakash**
2020-21	**Prof. Sudhakar Panda**

"Nobody is bothered about an institution more than its alumni"

– N. R. Narayana Murthy

Azadi ka Amrit Mahotasav

Painting Competition	:	Topic "Azadi ka Amrit Mahotasav"
Essay Competition	:	Topic "Doubling Farmers' Income"
Essay Competition	:	Topic "Role of Youth in Environmental Protection and Women Empowerment"
Quiz Competition	:	Topic "75 Years of Indian Economy"
Photo Competition	:	Topic "Ganga: Through My Lens"
Photo Competition	:	Topic "Poverty"
Cultural Presentation	:	Poem, Songs and Motivational Speeches
Special Patriotic Lectures	:	Topic "Know the Indian Armed Forces" (on *1971 War Victory,* स्वर्णिम विजय दिवस)
	:	Topic "Salute to Indian Armed Forces" (on कारगिल विजय दिवस)
Blood Donation Programme	:	75 units of Blood Donated by the students.
Plantation Programme	:	Plantation of Saplings.

REFRESHER COURSE IN ECONOMICS

Under aegis of UGC-Human Resource Development Centre, University of Allahabad an online Refresher Course In Economics was organized by the Department of Economics from 25 September to 08 October 2021. The theme of the Refresher Course was "***Post-Covid Indian Economy : The Path Ahead***".

Eminent academicians from India and abroad gave their presentations as distinguished resource persons of the refresher course.

The course was attended by 24 participants of universities and degree colleges of different parts of India.

Mr. Javed Akhtar was the Course Coordinator.

B.A. PART-III

Pattern of the Question Paper

INSTRUCTIONS FOR ALL THE PAPERS

1. **Q. 1 will be compulsory and based on units I-IV. It will have two parts. Part A shall consist of six multiple choice type objective questions of one mark each. Part B shall consist of four short answer questions of 75-100 words of 3 marks each.**
2. **Q. 2 to Q. 5 will be long answer questions of 8 marks each.**
3. **Q. 2 will be from Unit I, Q. 3 will be from Unit II, Q. 4 will be from Unit III and Q. 5 will be from Unit IV.**

   Each Unit will have two questions with internal choice out of which only one question is to be answered.

Paper -I

Economics Analysis

UNIT-I

The Theory of Imperfect Competition, Duopoly, Oligopoly, Collusive and Non-collusive Oligopoly, Cournot, Bertrand, Edgeworth, Stackleberg, Chamberlin's Small Group Oligopoly Model, The Kinded Demand Curve, Cartels: Joint Profit Maximization and Market Sharing Cartels.

UNIT-II

Monopolistic Competition Models, The Criticism of Marginalist Approach to the Theory of the Firm, Welfare Economics: The Criteria of Social Welfare, The National Income Criteria, The Hedonist; The Cardinal Approach to Social Welfare, Pareto Optimality, Kaldor-Hicks Compensation Principle; Bergson's Social Welfare Function.

UNIT-III

Criticism of Keynesian System, Pigou Effect and Wealth Effect. Limitations of the Keynesian Consumption Function and Alternative Specifications (Duesenberry, Friedman-An Elementary Analysis), Hicks-Hansen Elaboration of IS-LM: An Elementary Analysis. Theory of Investment: Concept and Theory of Accelerator; Multiplier- Accelerator Interaction: Hicks and Samuelson's Theory of Trade Cycle (Non-Mathematical Treatment).

UNIT-IV

The Harrod Problem, Nature of Steady State, Neo-Classical Growth Models: Solow, Joan Robinson. Elementary Treatment of General Equilibrium Theory; Input-OutputAnalysis; Linear Programming.

PAPER II
INTERNATIONAL ECONOMICS

UNIT-I

Basis of International Trade. Theories of International Trade: Adam Smith, Ricardo. J.S. Mill'sTheory of Reciprocal Demand. Marshall- Edgeworth Offer Curve, Haberler's Opportunity Cost Theory; Heckscher's Critique of Classical Theory.

UNIT-II

Terms of Trade and Gains from Trade: Kinds of Terms of Trade, Factors Influencing Terms of Trade, Prebisch Singer Model, Relation between Terms of Trade and Gains from Trade. Immiserizing Growth Theory. Balance of Payments: Meaning, Definition, and Illustration: Disequilibrium in BOP

UNIT-III

Exchange Rates: Purchasing Power Parity Theory, Balance of Payments Theory, Fixed and Flexible Exchange Rates, Spot and Forward. FreeTrade and Protection, Exchange Control Infant Industry Argument, Instruments of protection: Tariff, Quota and Devaluation, Exchange Control.Measures for correction in BOP.

UNIT-IV

International financial and trade Institutions and RTA's: IMF, IBRD, GATT, UNCTAD, ASEAN, SAARC. FDI: Concept and Importance for developing countries.

PAPER III
INDIA'S ECONOMIC POLICY

UNIT-I

General Objectives of Economic Policy in Developing Countries.
Unemployment and Poverty: A General Overview & Policies
Population Policy: National Population Policy and Population Policy of Uttar Pradesh.
Environmental Problems & National Environment Policy

UNIT-II

Industrial Policy: Role and Objectives
Industrial Policy of India
Private and Public Sector
Competition Act
Micro, Small and Medium Enterprises Policies
Energy Sector: Problems and Energy Policy

UNIT-III

Agricultural Policy in India: Objectives and Overview
Community Development Project and Panchayati Raj
Rural Development Programme
Agricultural Price Policy
Food Policy and The Public Distribution System

UNIT-IV

Foreign Trade Policy: Mesures for Maintaining Balance of Payments.
Major Programmes of Export Promotion
Exchange Rate Policy
Foreign Direct Investment & Foreign Portfolio Investment
Policies towards Foreign Capital Inflows

PAPER IV

HISTORY OF ECONOMIC THOUGHT

UNIT-I

History of Economic Doctrines: Nature and Importance,

Mercantilism Nature and Characteristics.

Physiocracy.

Classical Political Thinkers and their ideas: Adam Smith, Ricardo, Malthus, J.S. Mill.

UNIT-II

Utopian Socialism: Thomas Moore, Saint Simon, Pierre Joseph Proudhon, Robert Owen

Scientific Socialism: Marx and Engles.

The Marginalist Revolution: Jevons, Menger and Walras

UNIT-III

Neo-Classical Thought-Marshall, Wicksell, Pigou,Wiser. Classical Critique: J M Keynes.

UNIT-IV

Indian Economic Thought: Kautilya,

Early National Economic Thinking: Naoroji, R.C. Dutt.

The Economic Ideas of Gandhi,Nehru, J.K. Mehta, Vinoba Bhave and B.R. Ambedkar.

PAPER V

MATHEMATICAL ECONOMICS

UNIT-I

Nature of Mathematical Economics, Market Equilibrium: Partial and General.

Elementary Idea of Difference Equations and their uses, i.e Lagged Economic Relationships in Market Equilibrium (Cobweb Model). Concept of Matrices and Determinants and their Applications-Elementary Treatment of Input-Output Model.

UNIT-II

Differentiation of First and Higher Orders and Interpretations-Maxima and Minima and their Application in Economics (eg. Profit, Cost, Revenue, etc.) Convexity, Concavity and Point of Inflexion: concepts and their uses.

UNIT-III

Partial Differential Coefficients, Total Differential Coefficients and their Applications. Homogeneous Functions: Cobb-Douglas Production Function: Concept, Uses and Applications of Optimization. Constrained Maxima and Minima in Economics.

UNIT- IV

Probability: Definition, Addition and Multiplication Theorems. Normal Distribution and its Properties. Simple Integration and its Uses. Elementary Idea of Differential Equations and their Uses: Simple Growth Models. Consumer surplus and Producer's Surplus.

बी0 ए0- तृतीय वर्ष
प्रश्नपत्र प्रारूप

सभी प्रश्न-पत्रों के लिए निर्देश
* प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा तथा इकाई 1 से 4 पर आधारित होगा। * इसके दो भाग होंगे। * भाग **A** में एक-एक अंक के छह बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। * भाग **B** में तीन-तीन अंक के चार 75-100 शब्दों वाले लघु उत्तरीय प्रश्न/चित्र होंगे। * प्रश्न संख्या 2 से 5 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा। प्रश्न संख्या 2 इकाई 1 से, प्रश्न संख्या 3 इकाई 2 से, प्रश्न संख्या 4 इकाई 3 से तथा प्रश्न संख्या 5 इकाई 4 से होगा। प्रत्येक इकाई में आंतरिक चयन के रूप में दो प्रश्न होंगे, जिनमें से कोई एक प्रश्न करना होगा।

प्रथम प्रश्न पत्र

आर्थिक विश्लेषण

इकाई- 1

* अपूर्ण प्रतियोगिता का सिद्धान्त
* द्वयाधिकार
* अल्पाधिकार
* कपटपूर्ण तथा अकपटपूर्ण अल्पाधिकार
* कूर्नो, बरट्रैंड, एजवर्थ, स्टैकलबर्ग
* चैम्बरलिन का लघु समूह अल्पाधिकार मॉडल
* विकुंचित मांग वक्र
* उत्पादक समूह-संयुक्त लाभ अधिकतमीपूर्ण तथा बाजार भागीदारीपूर्ण समूह

इकाई- 2

* एकाधिकारात्मक प्रतिस्पर्धा मॉडल
* उद्यम के सीमांतवादी दृष्टिकोण की आलोचना
* कल्याणकारी अर्थशास्त्र - सामाजिक कल्याण दृष्टिकोण, राष्ट्रीय आय दृष्टिकोण, सुखवाद
* सामाजिक कल्याण का गणनावादी दृष्टिकोण
* पैरेटो अनुकूलतमता
* केल्डॉर क्षतिपूर्ति सिद्धान्त
* बर्गसन का सामाजिक कल्याण फलन

इकाई-3

* केन्सीय प्रणाली की आलोचना
* पीगू प्रभाव तथा सम्पत्ति प्रभाव
* केन्सीय उपभोग फलन की सीमाएँ तथा वैकल्पिक उपागम
* ड्यूसेनबेरी, फ्रीडमैन - एक प्रारम्भिक विश्लेषण
* हिक्स-हेन्सन का IS-LM उपागम - एक प्रारम्भिक विश्लेषण
* निवेश का सिद्धान्त - त्वरक की संकल्पना तथा सिद्धान्त
* गुणक - त्वरक अन्तर्क्रिया
* व्यापार चक्र का हिक्स व सैम्युल्सन सिद्धान्त (गैर-गणितीय व्यवहार)

इकाई-4

* हैरड समस्या
* सुस्थिर अवस्था की प्रकृति
* नव-प्रतिष्ठित संवृद्धि मॉडल - सोलो, जोन रॉबिन्सन
* सामान्य संतुलन सिद्धान्त का प्रारम्भिक दृष्टिकोण
* आगत-निर्गत विश्लेषण
* रैखिक प्रोग्रामिंग

द्वितीय प्रश्न पत्र
अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र

इकाई- 1

* अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधार
* अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त : एडम स्मिथ, रिकार्डो, जे0 एस0 मिल का प्रतिमांग सिद्धान्त
* मार्शल-एजवर्थ का प्रस्ताव वक्र
* हैबरलर का अवसर लागत सिद्धान्त
* प्रतिष्ठित सिद्धान्त की हेक्शर आलोचना

इकाई- 2

* व्यापार की शर्तें तथा व्यापार से लाभ
* व्यापार की शर्तों के प्रकार
* व्यापार की शर्तों को प्रभावित करने वाले कारक
* प्रेबिश-सिंगर मॉडल
* व्यापार की शर्तों तथा व्यापार से लाभ के मध्य सम्बन्ध
* दारिद्रयजन्य विकास सिद्धान्त
* भुगतान संतुलन - अर्थ, परिभाषा तथा स्वरूप
* भुगतान संतुलन में असंतुलन

इकाई- 3

* विनिमय दरें - क्रय शक्ति समता सिद्धान्त
* भुगतान संतुलन सिद्धान्त
* स्थिर एवं परिवर्तनीय विनिमय दरें

* हाजिर (स्पॉट) दरें तथा वायदा दरें,
* मुक्त व्यापार तथा संरक्षण
* विनिमय नियंत्रण
* शिशु उद्योग तर्क
* संरक्षण के उपाय - प्रशुल्क, कोटा, अवमूल्यन
* भुगतान संतुलन में सुधार के उपाय

इकाई-4

* अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय एवं व्यापारिक संस्थाएं तथा क्षेत्रीय व्यापारिक अनुबंध
* IMF, BRD, GATT, UNCTAD, ASEAN, SAARC
* प्रत्यक्ष विदेशी निवेश - संकल्पना तथा विकासशील देशों के लिए महत्त्व

DEDICATION

* * *

It is heartening to inform that the Department of Economics, in its Centenary Year named Departmental Library, Conference Hall and Computer Laboratory in memory of former teachers, in recognition of their contributions in the respective fields. **Prof. P.C. Jain Library** was inaugurated by *Mr. H. R. Khan, Deputy Governor, Reserve Bank of India, Mumbai*; **Prof. S. K. Rudra Conference Hall** by *Prof. P. K. Bhargava, Formerly Emeritus Professor, Department of Economics, Banaras Hindu University, Varanasi;* and **Prof. Mahesh Chand Computer Laboratory** by *Prof. Shri Prakash, Dean, Research, BIMTECH, Greater Noida and formerly Senior Fellow, NUEPA, New Delhi* on December 13, 2014.

तृतीय प्रश्न पत्र

भारत की आर्थिक नीति

इकाई- 1

* विकासशील देशों में आर्थिक नीति के सामान्य उद्देश्य
* बेरोजगारी एवं निर्धनता : एक सामान्य पुनरावलोकन तथा नीतियां
* जनसंख्या नीति : राष्ट्रीय जनसंख्या नीति तथा उत्तर प्रदेश की जनसंख्या नीति
* पर्यावरणीय समस्याएं तथा राष्ट्रीय पर्यावरण नीति

इकाई- 2

* औद्योगिक नीति : भूमिका तथा उद्देश्य
* भारत की औद्योगिक नीति
* निजी व सार्वजनिक क्षेत्र
* प्रतिस्पर्धा अधिनियम
* सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उपक्रम नीति
* ऊर्जा क्षेत्र : समस्याएं तथा ऊर्जा नीति

इकाई- 3

* भारत में कृषि नीति : उद्देश्य एवं पुनरावलोकन
* सामुदायिक विकास परियोजना तथा पंचायती राज
* ग्रामीण विकास कार्यक्रम
* कृषि कीमत नीति
* खाद्य नीति तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली

इकाई- 4

* विदेशी व्यापार नीति : भुगतान संतुलन बनाये रखने के उपाय
* निर्यात प्रोत्साहन के प्रमुख कार्यक्रम
* विनिमय दर नीति
* प्रत्यक्ष विदेशी निवेश तथा विदेशी पोर्टफोलियो निवेश
* विदेशी पूंजी आगमन की नीतियां

चतुर्थ प्रश्न पत्र

आर्थिक विचारों का इतिहास

इकाई- 1

* आर्थिक सिद्धान्तों का इतिहास - प्रकृति तथा महत्त्व
* वाणिकवाद - प्रकृति तथा विशेषताएं
* प्रकृतिवाद
* प्रतिष्ठित राजनीतिक विचारक तथा उनके विचार - एडम स्मिथ, रिकार्डो, माल्थस, जे0 एस0 मिल

इकाई- 2

* काल्पनिक समाजवाद - थॉमस मूर, सेंट साइमन, पियरे जोसेफ, प्रूधों, राबर्ट ओवेन
* वैज्ञानिक समाजवाद - मार्क्स तथा एंजेल्स
* सीमान्तवादी क्रांति - जेवन्स, मेन्जर तथा वालरा

इकाई- 3

* नव-प्रतिष्ठित विचार - मार्शल, विकसेल, पीगू, वीजर
* प्रतिष्ठित आलोचक - जे0 एम0 कीन्स

इकाई- 4

* भारतीय आर्थिक विचार : कौटिल्य
* प्रारम्भिक राष्ट्रवादी आर्थिक विचारधारा : नौरोजी, आर0 सी0 दत्त
* गाँधी, नेहरू, जे0 के0 मेहता, विनोबा भावे तथा बी0 आर0 अम्बेडकर के आर्थिक विचार

पंचम प्रश्न पत्र
गणितीय अर्थशास्त्र

इकाई- 1

* गणितीय अर्थशास्त्र की प्रकृति
* बाजार संतुलन - आंशिक एवं सामान्य
* अन्तर समीकरण का अर्थ तथा उनके उपयोग
* बाजार संतुलन में पश्चतायुक्त आर्थिक संबंध (काबवेव मॉडल)
* आव्यूहिकी तथा सारणिक की संकल्पना तथा उनके उपयोग -
* आगत-निर्गत मॉडल का प्रारंभिक स्वरूप

इकाई- 2

* प्रथम व उच्च कोटि के अवकलन तथा उनके अनुप्रयोग -
* अधिकतम व न्यूनतम की संकल्पना तथा अर्थशास्त्र में उनके उपयोग (उदाहरणार्थ लाभ, लागत, आगम आदि)
* उत्तल, अवतल, नति-परिवर्तन का बिन्दु - संकल्पनाएं तथा उपयोग

इकाई- 3

* आंशिक अवकलन गुणांक, कुल अवकलन गुणांक तथा उनके अनुप्रयोग
* समांग फलन - कॉब-डगलस उत्पादन फलन - संकल्पना, उपय़ोग तथा अनुकूलतम का अनुप्रयोग
* अर्थशास्त्र में प्रतिबंधित अधिकतम एवं न्यूनतम की अवधारणा व उपयोग

इकाई- 4

* प्रायिकता - परिभाषा, योग एवं गुणन प्रमेय, सामान्य वितरण तथा इसकी विशेषताएं
* सरल समाकलन तथा इसके उपयोग
* अवकल समीकरण की प्रारंभिक अवधारणा तथा उनके उपयोग - सरल संवृद्धि मॉडल
* उपभोक्ता का अतिरेक तथा उत्पादक का अतिरेक

Student Activities and Counselling

The Department has a very old democratic tradition of student-teacher interactions through various associations such as Economic Research Association (ERA) (1970), Economic Conversazione for M.A. Final students (1935), Busy Bees for M.A. Previous students (1934), Under Graduate Economics Association for **B.A. Part III [अर्थ चिन्तन], B.A. II [अर्थ विमर्श]** and **B.A. I [अर्थ संवाद]** students.

Each association has an executive body which includes elected student-members to manage the activities of the Associations along with President and Treasurer. These associations also play an important role for career guidance/ counseling of the students.

The activities of Economics Research Association (ERA) include Pre-Doctoral seminars, Doctoral presentations, paper reading, lectures, web-sessions, symposiums etc. for the research scholars.

The Undergraduate and Postgraduate Associations also organize symposiums and competitions like quiz, debate, essay competition, painting competition and other academic activities. In the joint annual function of Undergraduate Associations the prize winners are awarded certificates and prizes.

The joint annual function of postgraduate students of economics is one of the important social events of the Department and the University.

Under-Graduate Economics Association (B.A.-III)
(अर्थ चिन्तन)

Patron	:	Prof. Kiran Singh (Head)
President	:	Dr. Karimullah
Treasurer	:	Dr. Manoranjan Sahoo

UNDERGRADUATE ECONOMICS ASSOCIATION

B.A. I, II & III

ANNUAL Competitions (2022-23)

The Prize Winners

B.A.-I

✶ Essay Competition

First	Priyanka Yadav
Second	Priyanka Kushwaha
Third	Aman Maurya
Consolation	Nishit Pandey

✶ Painting/Poster Competition

First	Priyanka Yadav
Second	Pratishta Senger
Third	Chanda Kumari
Consolation	Kundan Kumar
Consolation	Kushagra Singh

Class Representative

Tulika Singh, Anchal Bharti, Mayank Mishra, Abhijeet Pandey, Nandini Prabha, Kusum Lata Devi, Divyanshi, Rishu Upadhyay, Ayush Kumar, Riya Jaiswal, Anmol Narayan, Harshit Dwivedi, Ashwani Kumar Patel, Sunny Shaw

B.A.-II

✶ Essay Competition

First	Ayush Dutt Verma
Second	Suhani Singh
Third	Kumar Tejaswi
Consolation	Pankaj Kumar
Consolation	Anshu Shukla
Consolation	Shivani Yadav
Consolation	Nidhi Chauhan

✶ Painting/Poster Competition

First	Varsha Rani
Second	Anvita Singh
Third	Achyuta Nanadan Sahu
Consolation	Priti Kushwaha
Consolation	Archana Kumari

Class Representative

Arpit Patel, Ayush Singh, Anshuman Pandey, Anshu Shukla, Vipin Tiwari, Dinesh Chauhan, Beauty Yadav, Nandini Sahu, Nidihi Patel, Anupam Chaudhary, Kajal Singh, Tannu Singh

B.A.-III

✶ Essay Competition

First	Astha
Second	Sachin Yadav
Third	Shraddha Yadav
Consolation	Vivek Verma
Consolation	Sachin Kumar

✶ Painting/Poster Competition

First	Gadadhar Verma
Second	Nimita Goswami
Third	Uttam Srivastava

Class Representative

Eesha Shukla, Nimita Goswami, Kajal, Nisha, Akash Jaiswal, Siddharth Singh, Himanshu, Ravi Shankar,

Department of Economics

Faculty Members

1.	Akhtar, Javed	Asso. Professor	M.A.	Rural Development, Agriculture Economics
2.	Chaturvedi, B. K.	Asso. Professor	M.A., Ph.D.	Development Economics, Microeconomics
3.	Gupta, Rekha	Asst. Professor	M.A., Ph.D.	Development & Planning, Environmental Economics
4.	Jain, Swati	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Macro Economics, Public Finance
5.	Karimullah	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Financial Economics, Monetary Economics, Econometrics
6.	Kumar, Anup	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	International Economics, Economic Theories and Policy
7.	Maurya, Garima	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Development Economics, Econometrics
8.	Pandey, Aditi	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Financial Markets
9.	Pandey, Sumedha	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Public Economics
10.	Sahoo, Manoranjan	Asst. Professor	M.A., Ph.D.	Macroeconomics
11.	Satyakam, Shreedhar	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Econometrics, Macroeconomics, Environmental Economics
12.	Singh, Kiran	Professor & Head	M.A., D.Phil.	Agricultural Economics, Industrial Economics
13.	Singh, Pradeep K.	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	International Economics, India's Economic Policy, Globalization Studies
14.	Sonkar, Deepshikha	Asst. Professor	M.A., D.Phil.	Demography, Public Enterprises, Indian Economic Policy
15.	Srivastava, Pooja	Asst. Professor	M.A., Ph.D.	Econometrics, Mathematical Economics, Indian Economic Policy
16.	Uraon, Dharmnath	Asst. Professor	M.A., Ph.D.	Mathematical Economics, Mathematical Statistics & Banking Theory

NITI Aayog Chair Professor

- Prof. Jean Dreze 2009 2015
- Prof. Manmohan Krishana 2022 - till date

DEPARTMENT OF ECONOMICS

Heads of the Department

S.N.	NAME	Year From	To
1.	Prof. H. S. Jevons	1914	1923
2.	Prof. A. R. Burnett-Hurst	1923	1927
3.	Prof. C. D. Thompson	1927	1935
4.	Prof. S. K. Rudra	1936	1951
5.	Prof. N. S. Subba Rao (In leave vacancy)	1942	1943
6.	Prof. J. K. Mehta	1951	1963
7.	Prof. P. C. Jain	1964	1977
8.	Prof. S. L. Parmar	1978	1979
9.	Prof. Mahesh Chand	1979	1981
10.	Prof. D. S. Kushwaha	1982	1989
11.	Prof. V. K. Anand	1990	1997
12.	Prof. P. N. Mehrotra	1997	2008
13.	Prof. Alka Agarwal	2008	2010
14.	Prof. U. S. Rai	2010	2012
15.	Prof. Jagdish Narayan	2012	2014
16.	Prof. Prahlad Kumar	2014	2016
17.	Prof. Manmohan Krishna	2016	2018
18.	Prof. G. C. Tripathi	2018	2020
19.	Prof. P. K. Ghosh	2020	2022
20	Prof. Kiran Singh	2022	till date